■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

# बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-29)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 19 अगस्त, 2024

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

व्यापारियों व समाजसेवियों सहित शिक्षण संस्थानों ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस 7

गहरी नींद में यात्री, ट्रेन पलटाने की साजिश 8

## महाराष्ट्र के कल्याण में आठ वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न का आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। महात्मा फुले पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि बेतुरकर पाड़ा से 34 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, ''वह 15 अगस्त को बच्ची को अपने घर ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण में आठ वर्षीय बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

महात्मा फुले पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि बेतुरकर पाड़ा से 34 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, ''वह 15 अगस्त को बच्ची को अपने घर ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया। बच्ची के माता-पिता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## शरणार्थियों को कांग्रेस सरकारों की तुष्टिकरण की नीति के कारण नागरिकता अधिकार नहीं दिए गए: अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों की अगुवाई वाली पिछली सरकारों की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण देश में बड़ी संख्या में शरणार्थियों को नागरिकता अधिकार नहीं दिए गए। गुजरात में 188 हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाणपत्र देने के बाद अहमदाबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लाखों शरणार्थियों को उनके अधिकार तथा न्याय देने के लिए है।

शाह ने मुस्लिमों को भी आश्वासन दिया कि सीएए में किसी की भी नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि यह नागरिकता देने के बारे में है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने करोड़ों घुसपैठियों को देश में घुसने की अनुमति दी और उन्हें गैरकानूनी तरीके से नागरिक बनाया। उन्होंने कहा कि उन लोगों ने कानून का पालन करने वाले और नागरिकता के लिए आवेदन देने वालों को यह कहकर नागरिकता नहीं दी कि इसके लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों की पिछली सरकारों की तुष्टिकरण की नीति के कारण शरण के लिए देश में आए लोगों को उनका अधिकार और न्याय नहीं मिला।'' उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में विभाजन के वक्त 27 प्रतिशत हिंदू थे लेकिन आज वे महज नौ फीसदी हैं क्योंकि उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर किया गया।

## एयर इंडिया की महिला केबिन क्रू के साथ बदसलूकी

नई दिल्ली। एयर इंडिया के केबिन क्रू की एक महिला सदस्य पर लंदन में उसके होटल के कमरे में कथित तौर पर हमला होने की खबर सामने आयी है। एयरलाइन ने खुद इस बात की पुष्टि की है। शनिवार देर रात एयरलाइन ने इस घटना पर एक बयान जारी कर कहा कि गुरुवार रात लंदन के हीथ्रो स्थित रेडिसन रेड होटल में उनकी केबिन क्रू मेंबर पर एक घुसपैठिए ने कथित तौर पर हमला किया। हमलावर पुलिस की हिरासत में है।एयरलाइन ने अपने बयान में कहा है कि वह अपनी महिला सदस्य को न केवल तत्काल सहायता प्रदान कर रही है, बल्कि उसे और उसके सहकर्मियों को इस दर्दनाक घटना से उबरने में मदद करने के लिए पेशेवर परामर्श भी दे रही है। एयरलाइन ने बयान में कहा, %एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला द्वारा संचालित होटल में घुसपैठ की एक गैरकानूनी घटना से हम बहुत दुखी हैं, जिससे हमारे चालक दल के एक सदस्य को नुकसान पहुंचा है। हम अपने सहकर्मी और उनकी व्यापक टीम को पेशेवर परामर्श सहित हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।अज्ञात सूत्र ने बताया कि क्रू मेंबर सो रही थी, तभी रात करीब 1.30 बजे एक घुसपैठिए ने उसके कमरे में हमला कर दिया। वह चौंक गई और मदद के लिए चिल्लाने लगी। उसने कपड़े टांगने वाले हैंगर से उस पर हमला किया। जब वह दरवाजे की ओर भागने की कोशिश करने लगी तो हमलावर ने उसे फर्श पर घसीटा। सूत्र ने आगे बताया, %वह बुरी तरह से घायल हो गई थी और घुसपैठिए ने भागने की कोशिश की। पुलिस को बुलाया गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। वह वापस ड्यूटी पर नहीं जा सकी और चालक दल का एक दोस्त उसके साथ रुका रहा। द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, एयर इंडिया की केबिन क्रू की सदस्य को हमले के बाद तुरंत अस्पताल ले जाया गया और अब वह वापस मुंबई लौट रही है। द हिंदू ने रिपोर्ट में आगे कहा कि एयरलाइन के चालक दल ने बार-बार बदमाशों के दरवाजे खटखटाने की शिकायत की थी।

## कोलकाता में डॉक्टर की हत्या की घटना के विरोध में दिल्ली के चिकित्सकों ने निकाला मार्च

कोलकाता। पिछले सप्ताह कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के विरोध में शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में मार्च में शामिल कई महिला चिकित्सकों ने तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया, जिन पर लिखा था, मैं अगला शिकार नहीं बनना चाहती।

सैकड़ों चिकित्सकों ने सफेद पोशाक पहनी हुई थी और गले मेंस्टेथोस्कोप लटका रखा था। चिकित्सकों ने घटना के विरोध में अपने आंदोलन के छठे दिन लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से अपना मार्च शुरू किया और स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हिंसा की जांच के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने जैसी अपनी मांगों पर जोर दिया। पुलिस ने अवरोधक हटा दिए और उन्हें प्रदर्शन के अगले चरण मोमबत्ती मार्च के लिए जंतर-मंतर की ओर बढ़ने की अनुमति दे दी।केंद्र द्वारा संचालित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), सफदरजंग अस्पताल और राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) सहित शहर में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी और डायग्नोस्टिक्स जैसी गैर-आपातकालीन सेवाएं और वैकल्पिक सर्जरी सुविधा सोमवार से प्रभावित हैं।

## राजस्थान के कई अस्पतालों को ई मेल के जरिये मिली बम की धमकी

जयपुर।जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा, ''अभी तक चार अस्पतालों ने इस तरह का ईमेल मिलने की पुष्टि की है।'' उन्होंने कहा कि और भी कई अस्पतालों को इस प्रकार का ईमेल मिलने की आशंका है और अन्य अस्पताल ईमेल देखने के बाद इस बात की पुष्टि करेंगे।जोसेफ ने कहा कि इससे पहले जयपुर हवाई अड्डे और विद्यालयों में भी बम होने की इस तरह की धमकियां मिली थीं। अस्पतालों को मिले ई-मेल में लिखा है, मैंने अस्पताल की इमारत में बम रखा है।बम अस्पताल के बिस्तरों के नीचे और स्नानागारों के अंदर छिपाए गए हैं। अस्पताल के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा या उसके अंग कट जाएंगे। आप में से कोई भी बच नहीं पाएगा।

ईमेल में लिखा है, आप खून से लथपथ हो जाएंगे। आप सभी केवल मौत के हकदार हैं। इस नरसंहार के पीछे आतंकवादी 'चिंग और कल्टिस्ट' का हाथ है।''

## गलती से राइफल चलने से बीएसएफ कॉन्स्टेबल घायल हुआ

पंजाब। बीएसएफ के सहायक प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) में तैनात है। लाल को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि जब वह राइफल साफ कर रहे थे तभी अचानक गोली चल गई।सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक कॉन्स्टेबल की सर्विस राइफल दुर्घटनावश चल जाने से उसे गोली लग गयी जिससे वह घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।कॉन्स्टेबल का नाम मोहन लाल है और वह यहां से करीब 17 किलोमीटर दूर खरकान कैंप स्थित बीएसएफ के सहायक प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) में तैनात है।

सभी लोगों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

विज्ञापन कार्यालय-130/4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक (बी.पी.साहू)
मो.8423454502,9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

सभी लोगों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

NEW SAHU FAMILY RESTAURANT
638y-1, Block Kidwai Nagar
Near -Dasu Kunwa Chauraha Noubasta Kanpur
Web .site—www.sahufamilyrestaurant.com
सभी लोगों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
Owner Management
Suresh Sahu
M.-8303637506, 9792526852

सभी लोगों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

Jai Ambey Traders

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com
7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401
Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

## संपादकीय

### कश्मीर में पहली परीक्षा

आखिरकार लंबे इंतजार के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिये चुनावों की घोषणा कर दी गई है। वहीं हरियाणा में एक माह पूर्व चुनाव कराने की घोषणा हुई है। जे एंड के राज्य में तीन चरणों में मतदान 18 व 25 सितंबर व एक अक्तूबर को होगा। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने तीस सितंबर तक राज्य में विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिये थे। उल्लेखनीय है कि जे एंड के में अनुच्छेद 370 निरस्त करने के बाद इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। तब से राज्य में राष्ट्रपति शासन चला आ रहा था। बहरहाल, परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी परिदृश्य बदल गया है। एक ओर जम्मू क्षेत्र में परिसीमन के बाद विधानसभा सीटों की संख्या 37 से बढ़कर 43 हो गई हैं, वहीं कश्मीर विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 46 से बढ़कर 47 हो गई हैं। निश्चित तौर पर परिसीमन से बदलाव का असर राजनीतिक परिदृश्य पर पड़ेगा। लेकिन हाल के दिनों में राज्य में जैसे सिलसिलेवार तरीके से आतंकी हमले हुए हैं, वहां शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार व मतदान कराना एक बड़ी चुनौती होगी। हाल के दिनों में आतंकवादियों ने अपनी रणनीति व सक्रियता के क्षेत्रों में बदलाव किया है। वे अब हिंदू-बहुल क्षेत्रों को निशाना बना रहे हैं जहां लंबी शांति व अन्य कारणों से सुरक्षा बलों की संख्या कम की गई थी। वहीं मुस्लिम बहुल कश्मीर में आतंकी गतिविधियां कम नजर आई हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सामने शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार व मतदान सुनिश्चित करने की बड़ी चुनौती होगी। निश्चित रूप से भारत विरोधी ताकतें इन चुनावों में बाधा डालने का प्रयास करेंगी। मतदाता निर्भय होकर मतदान करने निकलें इसके लिये अनुकूल माहौल बनाना जरूरी होगा। एक ओर जहां जम्मू में भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला नजर आता है, वहीं दूसरी ओर कश्मीर में मैदान खुला होगा। जहां फारूख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस तथा महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ ही सज्जाद लोन की जेएंडके पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अल्ताफ बुखारी की जेएंडके अपनी पार्टी व पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद की पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी मैदान में होगी। आशंका है कि कट्टरपंथी रुझान वाले आजाद उम्मीदवार भी मुकाबले में आ सकते हैं।वहीं दूसरी ओर दिल्ली से सटे हरियाणा में भी विधानसभा के लिये चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। यहां एक ही चरण में एक अक्तूबर को चुनाव होंगे और चार अक्तूबर को जम्मू-कश्मीर के साथ ही चुनाव परिणामों की घोषणा की जाएगी। जाहिरा तौर पर एक दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा को सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करना पड़ सकता है। जिसकी बानगी पिछले महीनों में हुए लोकसभा चुनावों में नजर आई थी। हालिया लोकसभा चुनाव में पांच सीटें जीतने से उत्साहित कांग्रेस पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। यदि पिछली बार के विधानसभा चुनावों की तरह ही इस बार भी किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो इंडियन नेशनल लोकदल और जननायक जनता पार्टी जैसे दलों की भूमिका किंगमेकर की हो सकती है।

# मांओं के उद्गार से मनुष्यता गौरवान्वित

**'मेरी मां गांव से ताल्लुक रखती है। वहां ज्यादा मीडिया नहीं है, इसलिए वहां के लोग जो कहते हैं दिल से कहते हैं। मेरी मां को दिल से जो भी महसूस हुआ, उन्होंने कहा।'आज जबकि दुनियाभर के देशों में सांप्रदायिक उन्माद सिर उठाता दिख रहा है, एक-दूसरे के लिए अपनापन महसूस करना बहुत सारी गंभीर समस्याओं का समाधान दे सकता है। यहां सवाल है, उस बीमार सोच का जो किसी नीरज और नदीम को एक- दूसरे से जुड़ने का अवसर नहीं देना चाहता। इन दो माताओं ने अपने दिल की बात कह कर एक रास्ता दिखाया है दुनिया को, जो अमन की मंजिल तक पहुंचा सकता है। इंसानियत का वास्ता देकर धर्म के नाम पर लड़ने की निरर्थकता का अहसास करा सकता है।**

इस बार ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में भारतीय प्रतियोगी नीरज चोपड़ा रजत पदक ही जीत पाया। प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक पाक खिलाड़ी अरशद नदीम के हिस्से में आया। लेकिन पदकों के बजाय कहीं अधिक महत्व इस बात को मिला कि दोनों खिलाड़ियों की माताओं ने अपनी प्रतिक्रिया में इसे रेखांकित किया कि भारतीयों और पाकिस्तानियों के आपसी रिश्ते पदक से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। स्वर्ण पदक विजेता पाक खिलाड़ी अरशद नदीम की मां ने यह कहना ज़रूरी समझा कि हिंदुस्तान का नीरज भी उन्हें अपने ही अरशद जैसा लगता है। उनके शब्द हैं, 'खुशी है कि अरशद जीता, पर नीरज भी मेरे बेटे जैसा है। वह अरशद का दोस्त भी है।

हार-जीत तो होती ही रहती है। मैंने उसके लिए भी दुआ की थी।' उधर भारत में नीरज की माताजी ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'हम बहुत खुश हैं। हमारे लिए तो सिल्वर भी गोल्ड जैसा है। गोल्ड जीतने वाला भी हमारा ही लड़का है, मेहनत करता है।'

'नीरज मेरे बेटे जैसा है', 'जीतने वाला (नदीम) भी हमारा ही लड़का है', यह दो छोटे-छोटे वाक्य अपने भीतर बहुत कुछ छुपाए हुए हैं। हर मां अपने बेटे की जीत के लिए दुआ मांगती है, पर उसके प्रतिद्वंद्वी के लिए भी दुआ मांगना सहज नहीं होता। पर भारत और पाकिस्तान की इन दो माताओं ने एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिस पर मनुष्यता गौरवान्वित अनुभव कर सकती है। पाकिस्तानी खिलाड़ी शोएब अख्तर ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा है, 'गोल्ड जिसने जीता है वह भी हमारा बेटा है', यह बात सिर्फ एक मां ही कह सकती है। इस बारे में नीरज से पूछा गया तो उनका उत्तर था 'मेरी मां गांव से ताल्लुक रखती है। वहां ज्यादा मीडिया नहीं है, इसलिए वहां के लोग जो कहते हैं दिल से कहते हैं। मेरी मां को दिल से जो भी महसूस हुआ, उन्होंने कहा।'आज जबकि दुनियाभर के देशों में सांप्रदायिक उन्माद सिर उठाता दिख रहा है, एक-दूसरे के लिए अपनापन महसूस करना बहुत सारी गंभीर समस्याओं का समाधान दे सकता है। यहां सवाल है, उस बीमार सोच का जो किसी नीरज और नदीम को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर नहीं देना चाहता। इन दो माताओं ने अपने दिल की बात कह कर एक रास्ता दिखाया है दुनिया को, जो अमन की मंजिल तक पहुंचा सकता है। इंसानियत का वास्ता देकर धर्म के नाम पर लड़ने की निरर्थकता का अहसास करा सकता है।

अपने ही देश में देखें तो सांप्रदायिकता की आग को भड़काने वाले लगातार सक्रिय होते रहते हैं। धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता की एक पट्टी बांध लेते हैं हम अपनी आंखों पर, और फिर हमें साफ दिखाई नहीं देता। एक अंधापन-सा छा जाता है हमारे विवेक पर। इस अंधत्व के चलते हम यह समझना ही नहीं चाहते कि आज जिस धर्म के नाम पर हम जीने-मरने की कसमें खा रहे हैं, वह मनुष्यता का उजाला दिखाने वाला एक रास्ता था जो हमारे आदि-पुरुषों ने खोजा-बनाया था। मनुष्यता की जय-यात्रा में किसी एक या दूसरे धर्म का होना मायने नहीं रखता, हमारा आदमी होना माने रखता है। आदमी वह जो हर कदम विवेक की कसौटी पर कस कर आगे बढ़ाये।नदीम और नीरज की माताओं ने हमें रास्ता दिखाया है। यह भाई-चारे का रास्ता है, जो व्यक्ति को हिंदू या मुसलमान नहीं, इंसान समझने की मंजिल तक पहुंचा सकता है। गोपाल दास नीरज ने लिखा है, 'अब तो कोई मज़हब ऐसा भी चलाया जाये/ जिसमें इंसान को इंसान बनाया जाये।' एक कवि की यह पुकार सच कहें तो एक चेतावनी है। यदि हम आज नहीं संभले तो हमारा आने वाला कल हैवानियत के अंधेरे में कहीं खो जायेगा। जरूरत है अपने भीतर की इंसानियत को बचाये रखने की, ताकि इंसान बचा रह सके।दुर्भाग्य से, आज हमारी राजनीति आग लगाने के हुनर का नाम हो गयी है, इस राजनीति को बदलने की, इससे उबरने की ज़रूरत है। आज बांग्लादेश में जो कुछ होता दिख रहा है वह पूरा सच नहीं है। आज भी वहां ऐसे तत्व हैं जो मंदिरों पर हमलों को स्वीकार नहीं कर पा रहे, जो यह मानते हैं कि धर्म के नाम पर नागरिकों को बांटकर हम इंसानियत को टुकड़ों में बांट रहे हैं। इंसानियत को बचाना है तो हम सबको अपने भीतर मां का दिल जगाना होगा। हर मां अपने बच्चों का भला ही चाहती है, पर हर सच्ची मां के लिए दूसरे का बच्चा भी अपना ही बच्चा होता है। दूसरे के बच्चे को भी अपने बच्चे जैसा समझना एक ऐसा मंत्र है जो हमें सांप्रदायिकता की आग से उबार कर मनुष्यता की राह पर चलना सिखा सकता है।

सही मायनो में आग लगाने के नहीं, आग बुझाने के हुनर को सीखना होगा हमें। मैं दुहराना चाहता हूं, यह सीखने के लिए हमें अपने भीतर मां का दिल जगाना होगा, यह समझना होगा कि धर्म के नाम पर जिसे पराया माना जा रहा है, जिस पर हाथ उठाया जा रहा है, वह भी किसी मां का बेटा है। दुनिया के सब धर्म मनुष्यता का संदेश देते हैं- आंख के बदले आंख फोड़ कर तो हम सारी मनुष्यता को अंधा कर देंगे!

# जश्न-ए आज़ादी-मेरा भारत मेरा अभिमान-भारत देश महान

गोंदिया ङ्क वैश्विक स्तरपर जहां एक और विश्व के अनेकविकसित देशों व पड़ोसी मुल्कों में राजनीतिक आर्थिक गहमागहमी मची हुई है, व उन समस्याओं से लड़ते हुए भी पूरी दुनियां की नजरे भारत के जश्न ए आजादी 78 वें स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2024, भारत के सबसे बड़े महापर्व, जिसकी थीम विकसित भारत है, जहां 9 से 15 अगस्त 2024 तक अति तेज जश्नउत्सव से हर घर तिरंगा उत्सव का जोश मचा हुआ है व हर भारतीय के पावन मुख् से यही निकल रहा है, मेरा भारत मेरा अभिमान, भारत देश महान,के आगाज़ पर दुनियां की नज़रें लगी हुई है, व भारतीयों के उत्साह को देखकर टकटकी नज़रों से भारतीय उत्साह व विकास की गाथा को पूरी दुनियां देख रही है। स्वतंत्रता समारोह में पंचायती राज संस्थाओं व 400 महिला प्रतिनिधियों को जीवन साथियों के साथ आमंत्रित किया गया है। पूरा भारत 78 वेंस्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2024 व हर घर तिरंगा के रंग में रंग कर झूम उठा है। जहां एक ओर 13अगस्त 2024 को हर राज्य के हर घर तिरंगा अभियान की रैलियांयात्राएं मानवीय चैन बनाकर उपराष्ट्पति से लेकर पीएम गृहमंत्री व अनेक केंद्रीय मंत्री शुभारंभ में व्यस्त हैं, वहीं 14 अगस्त 2024 को देर शाम 7 बजे माननीय राष्ट्पति महोदय द्वारा का आकाशवाणी के पूरे राष्ट्रीय नेटवर्क पर राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित हो रहा है, वहीं 15 अगस्त 2024 को माननीय प्रधानमंत्री लाल किले से राष्ट्र को संबोधन करेंगे ।परंतु सभी नागरिकों से मेरी अपील है कि,इस सबसे बड़े राष्ट्रीय महापर्व में हम राष्ट्रीय झंडा तिरंगे के सम्मान में दो कानूनों, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को ?हराने/उपयोग/प्रदर्शनसम्मान के अपमान के रोकथाम अधिनियम 1971 व भारतीय ध्वज संहिता 2002 का सख्ती के साथ पालन करने की ?रूरत है, क्योंकि जिस पर्व का हम जोरदार जश्न मना रहे हैं, उसके ध्वज का सम्मान करना हमारा परम कर्तव्य है, अन्यथा इसके अपमान या गलती करने पर हमें जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है,क्योंकि सबसे बड़ा राष्ट्र सम्मान है। चूंकि 78 वें स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2024 भारत का सबसे बडा महापर्व वि ?न विकसित भारत मना रहे हैं,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, राष्ट्रीय ध्वज को फहराना अधिनियम 1971 व ध्वज संहिता 2002 दोनों अधिनियमों का पालनकरना ज़रूरी है,व जश्न ए आजादी, मेरा भारत



मेरा अभिमान, भारत देश महान ।साथियों बात अगर हम तिरंगा ?हराने के नियमों व ध्वज संहिता की करें तो,भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को फहराना/उपयोग/प्रदर्शन राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा संचालित होता है। इसके मुताबिक कोई भी सार्वजनिक/निजी संस्था या शैक्षिक संस्थान का सदस्य किसी भी दिन और किसी भी अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकता है। ध्यान रहे कि जब भी राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित किया जाता है, तो केसरिया पट्टी सबसे ऊपर होगी। अगर कोई झंडे को लंबवत (वर्टिकल) प्रदर्शित कर रहा है तो राष्ट्रीय ध्वज के संदर्भ में केसरिया पट्टी दाईं ओर यानी यह सामने वाले व्यक्ति के बाईं ओर होगी ।15अगस्त के मौके पर अगर हम अपनी गाड़ी पर तिरंगा लगाने की सोच रहे हैं, तो देश के हरनागरिक को इसकी अनुमति नहीं है ।गाड़ियों पर राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने का विशेषाधिकार भारतीय ध्वज संहिता 2002 के अनुच्छेद 3.44 के अनुसार सिर्फ इन व्यक्तियों तक ही सीमित है- राष्ट्पति उपराष्ट्पति राज्यपाल और उपराज्यपाल भारतीय मिशन के प्रमुख/प्रधानमंत्री कैबिनेट मंत्री राज्य मंत्री और संघ के उप मंत्री मुख्यमंत्री और राज्य या केंद्र शासित कैबिनेट मंत्री लोकसभा के अध्यक्ष राज्य सभा के उपाध्यक्ष लोकसभा के उपाध्यक्ष राज्यों की विधान परिषदों के अध्यक्ष राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधान सभाओं के अध्यक्ष राज्यों की विधान परिषद के उपाध्यक्ष राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की विधान सभाओं के उपाध्यक्ष भारत के मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश ।इन बातों का रखें खास ध्यानभारतीय ध्वज संहिता के अनुच्छेद 2.2 के अनुसार, कोई भी आम नागरिक अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकता है। हालांकि, जब भी राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित होता है, तो उसे सम्मान की स्थिति में होना चाहिए और स्पष्ट रूप से रखा जाना चाहिए। जब भी राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित किया जाए, तो उसे पूरा सम्मान दिया जाना चाहिए। उसे उचित स्थान पर रखा जाना चाहिए। आपको खासतौर से ध्यान रखना होगा कि ध्वज जमीन पर या फिर किसी गंदी जगह पर नहीं रखा जाए ।अगर हम उल्टा, कटा फटा या मैला-कुचैला झंडा फहराते पाए जाते हैं, तो राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 की धारा-2 में भारतीय राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्गान के अपमान को रोकने के मकसद से सजा के प्रावधान किए गए हैं, जिनके मुताबिक 3 साल तक की जेल, जुर्माना या फिर दोनों सजाएं हो सकती हैं इसलिए सावधान रहना होगा ।साथियों बात अगर हम स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2024 को पंचायती संस्थाओं व 400 महिला प्रतिनिधियों को आमंत्रण की करें तो,जमीनी स्तरपर लोकतंत्र को सशक्त बनाने और पंचायत प्रतिनिधियों को प्रोत्साहित करने की ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत सरकार ने 15 अगस्त, 2024 को लाल किले में आयोजित 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों (ईडब्ल्यूआर)/निर्वाचित प्रतिनिधियों (ईआर) को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है महिला पंचायती राज प्रतिनिधियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों को नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह शाम 7 बजे होगा। भारत की नेतृत्व विरासत पर एक व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए, 14 अगस्त, 2024 की दोपहर को विशेष अतिथियों के लिए पीएम संग्रहालय का दौरा आयोजित किया।

**किशन सनमुख़दास भावनानी**

## वेब सीरीज 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' और सच्ची घटना से प्रेरित वेब सीरीज 'सुन' का फर्स्ट लुक जारी




अंधेरी (वेस्ट), मुम्बई स्थित इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के थियेटर में में पिछले दिनों आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान निर्देशक एम आर खान के निर्देशन में बनने वाली, निर्माता एम के राजपूत की वेब सीरीज 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' व निर्माता दिनेश के. ढाबी की वेब सीरीज 'सुन' का फर्स्ट लुक जारी किया गया। दोनों सीरीज के प्रोमो भी स्क्रीन पर दिखाए गए जहां सभी ने प्रोमो और इसके कॉन्सेप्ट को पसन्द किया। मुम्बई के पूर्व एसीपी संजय पाटिल इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। चीफ गेस्ट पूर्व एसीपी संजय पाटिल ने दोनों सीरीज के लिए निर्माताओं व निर्देशक को ढेर सारी शुभकामनाएं दी और कहा कि देश की सुरक्षा सबसे जरूरी है। यह देश है तो हम हैं, इसलिए देश सर्वोपरि है। एमके फिल्म्स टेलीविजन प्रोडक्शन्स द्वारा प्रस्तुत इस वेब सीरीज के प्रोड्यूसर एम के राजपूत और एमआर खान हैं। सह निर्माता के के शर्मा और क्रिएटिव डायरेक्टर रिहाना खान, डीओपी कुंदन, लेखक मोती सुल्तानपुरी और विंध्या शुक्ला हैं। भारत की एकता और अखंडता को परिभाषित करती इस वेब सीरीज में मिस रिज्जु, मुस्कान, सुनील, प्रिया ठाकुर, कल्याणी, इशिता चक्रवर्ती सहित कई कलाकार नजर आएंगे। पोस्टर अनावरण के अवसर पर वंदे मातरम गीत भी दिखाया गया जिसे साजन सरहदी ने कम्पो ? किया है और स्वर दिया है। इस गीत में फीमेल आवा ? इशिता चक्रवर्ती की है। सच्ची घटना से प्रेरित महिला सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती वेब सीरीज 'सुन' के निर्माता दिनेश कुमार प्रभात, लेखक बाबा खान व मो. राशिद खान और डीओपी कुंदन हैं।

**प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय**

# चंद कर्मचारियों के कारण बदनाम होती यूपी पुलिस

यूपी पुलिस के चंद कर्मचारियों और अफसरों की हरकत समूचे विभाग की बदनामी का कारण बन रहीं हैं। नोएडा में एक ट्रेनी पुलिस सब इंस्पेक्टर ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कैब चालक से रुपये लूट लिए,वहीं शिकारपुर के पुलिस वालों ने एक व्यक्ति की कार में चैकिंग के दौरान सफेद कपड़े में लपेट कर तमंचा रख दिया और जेल भेज दिया लेकिन वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में पुलिस वालों की कारगुजारी कैद हो गई इतना ही नहीं लखनऊ में एक आइएएस की तैयारी कर रहे युवक ने पुलिस कर्मियों द्वारा गरीब व्यक्ति की पिटाई का विरोध किया तो पुलिस वालों ने छात्र की पिटाई की और जेल भेजने की योजना बना दी। युवक ने अपने साथी प्रशिक्षु आईपीएस को जानकारी दी तो पुलिस वालों ने माफी मांग कर रिहा कर दिया। यह है यूपी पुलिस के अजब पुलिस वालों के गजब कारनामे।

आइए विस्तार से बता दे कि नोएडा में एक कैब चालक को रोक कर एक प्रशिक्षु दारोगा ने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की और सुनसान स्थान पर ले गए वहां उसकी जेब से सात हज़ार रूपये लूट लिए। इस मामले में आरोपी सब इंस्पेक्टर के खिलाफ एक्शन लिया गया है। आरोपी एसआई ट्रेनी दरोगा है, उस पर और उसके दो साथियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। ट्रेनी दरोगा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उसके साथियों को पक ?ने के लिए पुलिस टीम बनाई गई है।

इतना ही नहीं इस मामले में आरोपी दरोगा को बचाने के आरोप में डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा को पद से हटाया गया है। साथ ही


**मनोज कुमार अग्रवाल**

एसएचओ बिसरख, चौकी प्रभारी गौर सिटी-1 और एक दरोगा को सस्पेंड किया गया है। मामला 3 अगस्त की रात करीब 1 बजे का है। बागपत निवासी राकेश तोमर दिल्ली में कैब चलाता है ।उसने ट्रेनी दरोगा अमित मिश्रा और उसके दो साथियों पर रुपये लूटने और मारपीट करने का आरोप लगाया था ।कैब चालक राकेश का आरोप है कि वह दिल्ली से महिला सवारी को लेकर नोएडा की गौर सिटी छो ?ने पहुंचा था, तभी वहां ट्रेनी दरोगा अमित मिश्रा ने वर्दी का रौब दिखाते हुए उसे रोका और गा ?ी से उतार लिया ।महिला सवारी को भी गा ?ी से जबरन उतारकर अपनी कार में बैठाने लगे। महिला ने बताया कि वह सवारी है और कैब बुक करके लाई है, तब महिला को छो ? दिया। उसके बाद कैब ड्राइवर राकेश के साथ मारपीट की गई ।उसका आरोप है कि दरोगा ने उसकी जेब में रखे रुपये भी लूट लिए।

पी ?ित राकेश दरोगा की शिकायत करने पहले गौर सिटी वन चौकी पहुंचा ।वहां उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद पी ?ित कैब चालक बिसरख थाने पहुंचा ।कोतवाली इंचार्ज ने भी उसे वहां से टरका दिया ।उसने आरोपी दरोगा की शिकायत पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से की और पूरे मामले की जानकारी दी। सीपी ने इस मामले में जांच कराई ।महिला से भी पूछताछ की गई ।आरोप सही पाए जाने पर ट्रेनी दरोगा अमित मिश्रा और उसके दो साथियों आशीष और अभिनव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उनके पास मौजूद दो गा ?यों को भी सीज किया गया।

पुलिस ने आरोपी ट्रेनी दरोगा को गिरफ्तार किया है ।ग्रेटर नोएडा में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुलिस पर एक्शन लिया है। नोएडा वेस्ट के बिसरख इलाके में कैब ड्राइवर से पैसा वसूलने और मार-पीट करने के मामले में ट्रेनी इंस्पेक्टर को बर्खास्त कर दिया गया है। साथ ही उसके दो साथियों पर भी बड़ा एक्शन हुआ है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कमिश्नर ने घटना की जानकारी दो दिन तक छिपाए रखने के आरोप में डीसीपी सेंट्रल को पद से हटा दिया है। इसके साथ ही बिसरख थाना प्रभारी और सीटी 1 चौकी प्रभारी पर भी कार्रवाई करते हुए सस्पेंड कर दिया गया है।

इस पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद दो दिन तक कार्रवाई नहीं करने और उच्चाधिकारी से घटना को छुपाने पर डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा सुनिति को उनके पद से हटाया गया है। इसके अलावा एसएचओ बिसरख, चौकी प्रभारी गौर सिटी-1 दरोगा रमेश चन्द्र तथा दरोगा मोहित को सस्पेंड किया गया है।

एक अन्य मामला राजधानी लखनऊ के बाराबिरवा में सामने आया है , जहां कुछ सिपाही एक ओला टैक्सी चालक को पीट रहे थे। मौके पर मौजूद एक आइएएस की तैयारी कर रहे युवक विनीत से रहा न गया और उसने इसका विरोध किया।

**अपनी समस्या हमें बतायें**

**आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।**

**दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।**

**फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com**

**आवश्यक सूचना**

**प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सम्पादक**

**आवश्यकता है**

**बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।**

**सम्पर्क करें -:**

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

# कानपुर में टला बड़ा रेल हादसा...

## गोविंदपुरी रेल स्टेशन के पास अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस 19168 हुई डीरेल

## हादसे में कोई जनहानि की खबर नहीं

### गाड़ियों का रद्दीकरण एवं कुछ का मार्ग परिवर्तन किया गया

(1)01823/01824 (वी झाँसी-लखनऊ) JCO 17.08.24 (2)11109 (वी झाँसी-लखनऊ जंक्शन) JCO 17.08.24 (3)01802/01801 (कानपुर-मानिकपुर) JCO 17.08.24 (4)01814/01813 (कानपुर-वी झाँसी) JCO 17.08.24 (5)01887/01888 (ग्वालियर-इटावा) JCO 17.08.24 (6)01889/01890 (ग्वालियर-भिण्ड) JCO 17.08.24

**मार्ग परिवर्तन** - (1)11110 (लखनऊ जंक्शन-वी झाँसी) JCO 16.08.24 परिवर्तित मार्ग गोविंदपुरी-इटावा-भिण्ड-ग्वालियर-वी झाँसी. (2)22537 (गोरखपुर-लो.तिलक टर्मिनल) JCO 16.08.2024 गोविंदपुरी-इटावा-भिण्ड-ग्वालियर-वी झाँसी. (3)20104 (गोरखपुर-लो.तिलक टर्मिनल) JCO 16.08.24 कानपुर-इटावा-भिण्ड-ग्वालियर-वी झाँसी.

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। ट्रेन संख्या 19168, साबरमती एक्सप्रेस सुबह 02:35 बजे कानपुर के पास पटरी से उतर गई। आशंका है कि इंजन ट्रैक पर रखी किसी वस्तु से टकरा गया और पटरी से उतर गया। लोको पायलट के अनुसार, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बोल्डर इंजन से टकराया था, जिसके कारण इंजन का कैटल गार्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त/मुड़ा हुआ था। साक्ष्य सुरक्षित रखे गए हैं, जो लोको से 16वें कोच के पास मिले हैं।शुरुआती जांच के अनुसार, रेलवे ट्रैक में कोई फ्रैक्चर नहीं है। आईबी और यूपी पुलिस भी इस पर काम कर रही है। यात्रियों या कर्मचारियों को कोई चोट नहीं आई है। यात्रियों के लिए अहमदाबाद की आगे की यात्रा के लिए ट्रेन की व्यवस्था की गई है। भारतीय रेलवे ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।उधर, कानपुर तक यात्रियों की सुविधा के लिए आठ कोच वाली मेमू रेक 5:21 बजे मौके पर रवाना हुई। कानपुर के एडीएम सिटी राकेश वर्मा मौके पर मौजूद हैं।राकेश वर्मा ने कहा कि 22 बोगियां पटरी से उतर गई हैं लेकिन कोई घायल नहीं हुआ है। सभी यात्रियों को बसों द्वारा उनके गंतव्य तक भेजा जा रहा है, मेमो ट्रेन भी आ रही है। अच्छी बात है कि किसी भी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।रेलवे डीआरएम झांसी डिवीजन दीपक कुमार ने कहा कि इस घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ है। यात्रियों को बस और ट्रेन के माध्यम से कानपुर वापस ले जाया गया है। यात्रियों को उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए कानपुर में एक और ट्रेन तैयार की गई है।

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन से कुछ दूरी पर एक बडा रेल हादसा टल गया। वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस (19168) देर रात करीब 2 बजकर 30 मिनट पर गोविंदपुरी के आगे होल्डिंग लाइन पर पटरी से उतर गई। ट्रेन के कुछ डिब्बे पटरी से उतरने के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना के तुरंत बाद रेलवे, पुलिस और फायर विभाग के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए रेलवे अधिकारियों ने तुरंत जांच शुरू की। राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी भी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है हालांकि, घटना के कारण यात्रियों में भय का माहौल देखा गया रेलवे की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर डिब्बों को वापस पटरी पर लाने के लिए कार्यरत हैं। वहीं, डीएम कानपुर आरके सिंह रात में ही घटना स्थल पर पहुंचे। मौके के हालात देखे, उन्होने बताया कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए रेलवे के विशेषज्ञों की टीम ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिकता के आधार पर ट्रैक की मरम्मत कर ट्रेन सेवा को बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना की विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि हादसे के पीछे क्या कारण थे। वहीं, इस रूट की आधा दर्जन से अधिक मेल, एक्सप्रेस, पैसेंजर ट्रेने निरस्त कर दी गई हैं। गाड़ियों का रद्दीकरण एवं कुछ का मार्ग परिवर्तन किया गया है।

## क्षेत्रीय पार्षद रजत बाजपेई जनता के साथ बैठे धरने पर

### पार्षद के नेतृत्व में क्षेत्रीय लोगो ने किया धरना प्रदर्शन

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। हरबंश मोहाल में मेट्रो को लेकर बुधवार को एक बार ? फिर हंगामा खड़ा हो गया। तीन दिन पूर्व जिस मकान नंबर 62/75 की फर्श धंसने के बाद 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया था, बुधवार को बारिश के बाद उसकी दीवार भी गिर गई। दीवार गिरने की घटना के बाद मकान के बाहर बनी दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद आसपास के मकानों में रहने वाले लोग दहशत में आ गए और अपने मकानों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगल बगल के मकानों में भी दरारें आ गई हैं, जिसकी वजह से वह सभी लोग दहशत के साए में जी रहे हैं। इस घटना के बाद मौके पर पार्षद कौशिश बाजपेयी भी धरने पर बैठ गए. हंगामे की सूचना पाकर मेट्रो के अधिकारी से लेकर पुलिस फोर्स भी पहुंच गई।

पार्षद रजत बाजपेयी कौशिक साथ धरने पर बैठे स्थानीय लोगों ने बताया कि मेट्रो की टनल खुदाई के समय से ही यहां के मकानो में समस्या आने लगी थी. उस समय भी कई मकानों में दरार आयी थी लेकिन जब मेट्रो के अधिकारियों से इसकी शिकायत की गई तो उन्होंने मरम्मत में खानापूरी कर दी और फिर कोई झांकने नहीं आया. पार्षद ने बताया कि तीन दिन पहले मकान की फर्श 20 फीट तक धंस गई थी, जिसमें एक शख्स बमुश्किल बच पाया. बुधवार को हुई बारिश के बाद उसी मकान की दीवार पूरी तरह से दरक गई, जिसकी वजह से मकान के आगे बनी दुकान भी क्षतिग्रस्त हो गई. इसके बाद तो यहां पर हंगामा खड़ा हो गया. सूचना पर हरबंश मोहाल थाने की फोर्स के साथ मेट्रो के अधिकारी भी यहां पर पहुंच गए. यहां पर धरने पर बैठे पार्षद कौशिक बाजपेयी का कहना है कि मेट्रो के अधिकारियों ने यहां पर लापरवाही पूर्वक टनलिंग की है, जिसकी वजह से 40 मकानों पर खतरे का साया मंडरा रहा है, जो मकान क्षतिग्रस्त हुआ है, उसके आसपास अन्य मकानों की दीवारें भी दरक रही हैं।

मेट्रो के अधिकारी सिर्फ यहां पर कंक्रीट की फिलिंग करा रहे हैं जबकि लोगों की ग्रहस्थी का भी काफी नुकसान हो चुका है. स्थानीय लोग अपने घरों में रहने में डर महसूस कर रहे हैं. आरोप है कि मेट्रो के अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहे हैं. वहीं, मौके पर मौजूद यूपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एडिशनल चीफ इंजीनियर ब्रजेश वर्मा का कहना है कि तीन महीने पहले ही मेट्रो की टनलिंग का काम पूरा हो चुका है. इस घटना का टनल से संबंध नहीं है. उन्होंने आशंका जताई कि जिस मकान की दीवार दरकी है, उसके नीचे कोई खाली जगह हो सकती है, उन्होंने कहा कि इसकी जांच करायी जा रही है, शाम तक इसका पता लग जाएगा, प्रभावित लोगों का सेटलमेंट कराया जा रहा है. टेस्टिंग के दौरान जो बात सामने आएगी, उसी अनुसार एक्शन लिया जाएगा। 62/75 हरबंश मोहाल डी.एल 60 में जमीन मेट्रो के काम के चलते घर की फर्स धसी थी।

## पूर्व विधायक ने फुटपाथ पर कब्जा कर डाले गये शेड को हटाने को लेकर आयुक्त को भेजा पत्र

कानपुर। अवैध कब्जों को लेकर भूमाफियाओं के खिलाफ प्रदेश की योगी सरकार एक्शन में रहती है वार्ड चकेरी के ग्राम वाजिदपुर में ई0एस0आई0सी0 हास्पिटल चौराहे से सिद्धादेवी मंदिर होते हुए सी0ई0टी0पी0 पंम्पिगं स्टेशन वाजिदपुर रोड पर शगुन इण्डस्ट्रीज के सामने सड़क फुटपाथ पर कब्जा कर डाले गये शेड को हटाने के संबंध में कानपुर नगर आयुक्त को रामकुमार एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया पूर्व विधायक, 185 सदर, उन्नाव पूर्व सदस्य सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा. लोधी निषाद बिन्द कश्यप एकता समता महासभा राष्ट्रीय महासचिव नेशनल एसोसिएशन ऑफ फिशरमेन राष्ट्रीय निषाद संघ पत्र लिखा वार्ड चकेरी के ग्राम वाजिदपुर में ई0एस0आई0सी0 हास्पिटल चौराहे से सिद्धादेवी मंदिर होते हुए सी0ई0टी0पी0 पंम्पिगं स्टेशन वाजिदपुर रोड पर औद्योगिक इकाईयों में कन्टेनर/ट्रकों का आवागमन होता है। शगुन इण्डस्ट्रीज के सामने एक औद्योगिक इकाई द्वारा सड़क फुटपाथ पर कब्जा कर शेड डाला गया है जिसके कारण कन्टेनर/ट्रकों का आवागमन अवरूद्ध हो रहा है। डाले गये शेड की फोटो पत्र के साथ संलग्न करके नगर आयुक्त को भेजी गई है वार्ड चकेरी के ग्राम वाजिदपुर में ई0एस0आई0सी0 हास्पिटल चौराहे से सिद्धादेवी मंदिर होते हुए सी0ई0टी0पी0 पंम्पिगं स्टेशन वाजिदपुर रोड पर शगुन इण्डस्ट्रीज के सामने सड़क / फुटपाथ पर कब्जा कर डाले गये शेड को हटाने के आदेश संबंधित अधिकारियों को भेज कर उचित कार्रवाई की मांग की है सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट पूर्व विधायक रामकुमार ने कहा कि पूरे प्रदेश में योगी सरकार का डंका बज रहा है आवेद कब्जों को लेकर अधिकारी कार्यवाही भी कर रहे हैं लेकिन वाजिदपुर की समस्याओं का निवारण कब होगा।

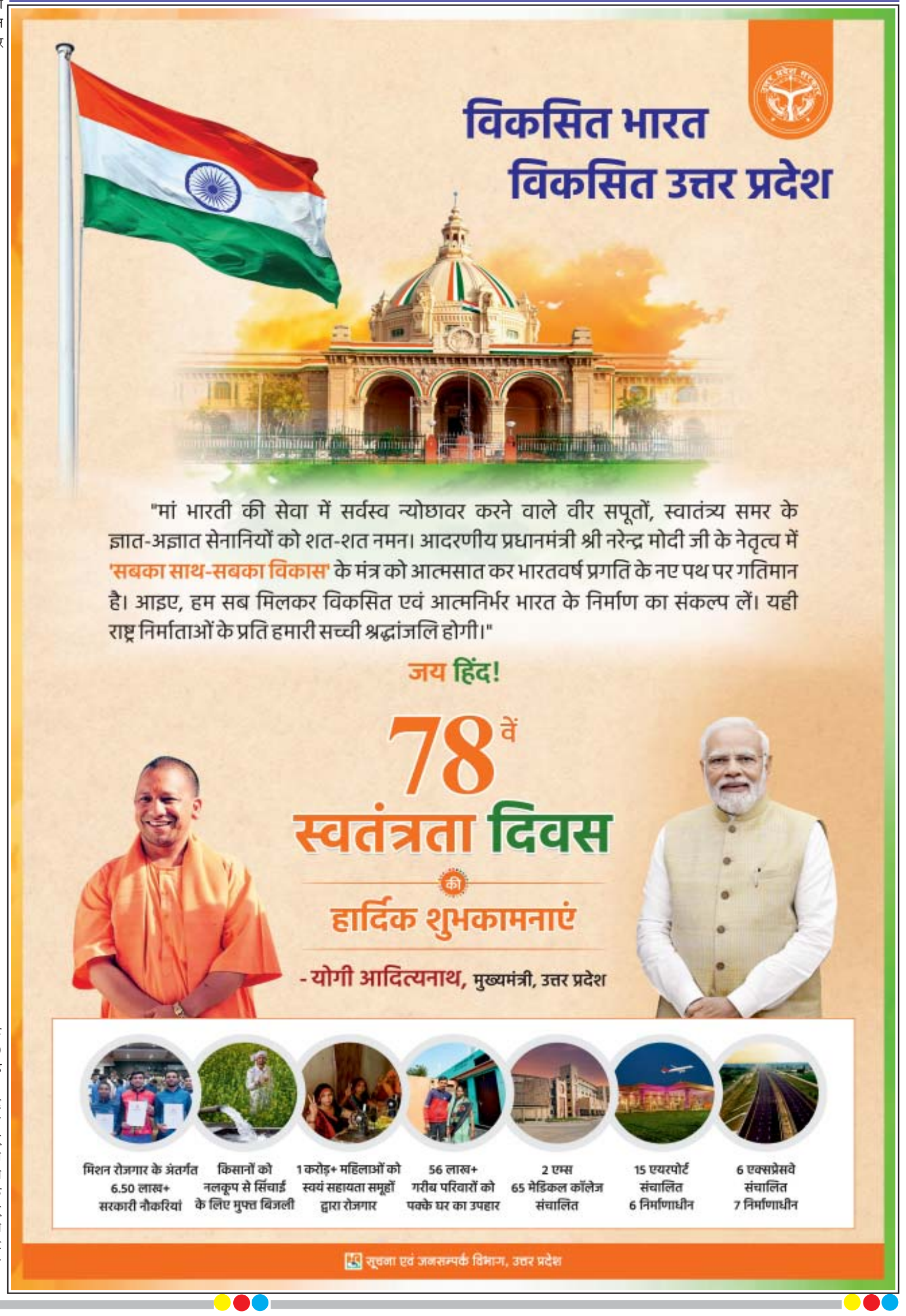

# दिव्यांगजन अधिनियम 2016 लागू करने का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

कानपुर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आज जिला दिव्यांग बन्धु की बैठक जिलाधिकारी कार्यालय में हुई। बैठक का संचालन जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम ने किया।

बैठक के सरकारी संस्थानों में रैम्प बनाने, विकास भवन की लिप्ट सही कराने व सभी दिव्यांगजन का राशन कार्ड बनाने, रोजगार के लिए दिव्यांगजनों को ऋण देने, दिव्यांगजन अधिनियम 2016 लागू करने का प्रस्ताव विकलांग एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने रखा। जिसमें विकास भवन की लिप्ट सी.आर.एस. फण्ड से बनाने, रैम्प बनवाने, सभी दिव्यांगजन के राशन कार्ड बनाने, रोजगार के लिये राष्ट्रीय दिव्यांग वित्त विकास निगम से ऋण दिलाने, दिव्यांगजन अधिनियम 2016 लागू करने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया।

दिव्यांग बन्धु के सदस्य हृदेश सिंह ने एक छत के नीचे दिव्यांगजन को सभी सुविधाएं देने, यू.डी.आई.कार्ड कैम्प लगाने, दिव्यांगजन को सरकारी योजनाओं में आवास दिलाने, ई ङ्क बसों में निःशुल्क यात्रा दिलाने का प्रस्ताव रखा जिसे जिलाधिकारी ने अपनी सहमती दे दी। बैठक में दिव्यांग बन्धु के सदस्य अब्दुल वाहिद, राम किशन गुप्ता व समस्त विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

# तिरंगा यात्रा में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का कानपुर आगमन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। तिरंगा यात्रा में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का आगमन हुआ कानपुर के शास्त्री नगर में भारी संख्या में उमडा भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का हूजूम डिप्टी सीएम के साथ में विधायक सुरेंद्र मैथानी एवं कई भाजपा के नेता उनके साथ उनके काफिले में रहे संत नगर चौराहे से यात्रा आगे को गुमटी एल आई सी बिल्डिंग के पास तिरंगा यात्रा का स्वागत भाजपा वरिष्ठ नेता अमरजीत सिंह पम्मी एवं नीतू सरदार के नेतृत्व में सिख समाज के लोगों ने यात्रा का स्वागत किया उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पर पुष्प की वर्षा की अमरजीत सिंह पम्मी ने कहा कि तिरंगा यात्रा निकालकर देश भक्ति की ओर युवाओं को किया प्रेरित! डिप्टी सीएम के काफिले में हजारों की संख्या में कारें एवं बाइक सवार हुए शामिल भारी पुलिस बल सुरक्षा में रहा तैनात मौके पर डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी एवं एसीपी सहित पुलिस के तमाम आला अधिकारी सिख समाज से भाजपा वरिष्ठ नेता अमरजीत सिंह पम्मी सरदार नीतू सिंह, शरब प्रीत सिंह रौनक, पारस मदान द्विजोत सिंह सिमरनजीत सिंह सोनू मौजूद रहे।

# नौबस्ताः भीषण गन्दगी जलभराव का पार्षद ने कराया खात्मा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नौबस्ता पश्चिम वार्ड 65 पार्षद योगेंद्र शर्मा ने बताया कि विगत कई दिनों से चतुर्वेदी बिल्डिंग चौराहा टेंपो स्टैण्ड क्षेत्रीय निवासी एवं दुकानदार पवन गुप्ता के द्वारा सोशल मीडिया पर गन्दगी जलभराव की समस्या डाली जा रही थी। जैसे ही उन्हें जानकारी मिली उन्होंने त्वरित कार्यवाही करते हुए नगर निगम अधिकारियों को सूचित किया मौके पर पहुंचे नगर निगम कर्मचारियों ने कई दिनों से नाली जाम की समस्या से निजात दिलाई। इस दौरान क्षेत्रीय नागरिकों ने पार्षद योगेंद्र शर्मा का आभार प्रकट किया। तथा विगत दिनों से बंबा नहर में 2 पेड़ो के गिर जाने तथा कुछ जानवरो के शवो की दुर्गंध की वजह से नगर का पानी रुक गया था जिससे किनारे रहने वालो को जीना दुश्वार हो रहा था। पार्षद योगेंद्र शर्मा ने बताया कि मामले की जानकारी होते ही उन्होंने क्षेत्रीय विधायक महेश त्रिवेदी को जानकारी दी जिसके बाद नहर विभाग जेई को विधायक के द्वारा फटकार लगाई गई तथा इधर नगर निगम की हड़ताल एवं अवकाश के चलते आज पार्षद योगेंद्र शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सफाई कराई। सफाई अभियान में नगर निगम वन विभाग स्थानीय पुलिस विद्युत विभाग स्वास्थ्य विभाग सहित इंजीनियरिंग विभाग की टीमों ने सहयोग करते हुए कार्य किया।

# व्यापारियों ने बाजार- बाजार तिरंगा अभियान के तहत दुकान- दुकान जाकर बाटा तिरंगा



कानपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री ज्ञानेश मिश्र महानगर अध्यक्ष गुरुविन्दर सिंह व महानगर युवा अध्यक्ष आशीष मिश्र के नेतृत्व मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवाहन पर हर घर तिरंगा अभियान की तर्ज पर बाजार बाजार तिरंगा अभियान के तहत कलक्टरगंज गल्ला मंडी व कलक्टर गंज बाजार मे दुकान दुकान जाकर तिरंगा बाटा गया ।पदाधिकारियों ने इस दौरान भारत माता की जय व बंदेमातरम के नारे भी लगाए ।

इस दौरान भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि पी एम मोदी के आवाहन पर पूरा देश हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज से कल तक कानपुर महानगर मे और पूरे प्रदेश मे ये अभियान संगठन द्वारा चलाया जा रहा है और आज कानपुर, बरेली, गाजियाबाद, फिरोजाबाद, आगरा व बुंदेलखंड के महानगरों,नगरों और मंडियो मे तिरंगा बाटकर इस अभियान से व्यापारियों को जोड़ा गया और पूरे प्रदेश मे कल भी जारी रहेगा । अभियान के दौरान महानगर अध्यक्ष गुरुविन्दर सिंह और युवा महानगर अध्यक्ष व कलक्टरगंज उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष आशीष मिश्र ने व्यापारियों से कहा कि अपनी दुकानों व घरो मे तिरंगा लगाकर देश मे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश प्रेम की लहर से जुड़े और नागरिकों को भी जोड़े इस आयोजन मे प्रमुख रूप से कलक्टरगंज उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री पवन गुप्ता व संयोजक अनुराग जायसवाल, हरिश्चन्द्र जायसवाल, चंद्राकर दीक्षित, सुशील गुप्ता, जीतेन्द्र गुप्ता राजा, कुंजबिहारी गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, विजय यादव, अंशुल गुप्ता, सोनू मौर्य, हिमांशु बाजपेई, काली प्रसाद ठाकुर, रमेश आग्रहरी, घनश्याम गुप्ता, मधुवन बिहारी गुप्ता आदि थे।

# पटकापुर स्वच्छता समिति द्वारा मनाया गया 78वां स्वतंत्रता दिवस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पटकापुर स्वच्छता समिति के द्वारा 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। झंडा फहराने का काम आमोद त्रिपाठी के द्वारा किया गया, इस कार्यक्रम में सम्मिलित समिति के संरक्षक रमेश चंद्र बाजपेई, कमलचंद वाजपेई, सुरेश चंद बाजपेई, बाल पांडे, अध्यक्ष अरुण कुमार अस्थाना, महामंत्री दीपक निगम, मंत्री गीता पांडे, राधा बाजपेई, मनीष अस्थाना , राजेश निगम, मनीष अग्रहरि, पारसनाथ शुक्ला, अंजलि भक्त मंडल के कर्ताधर्ता विक्रम अवस्थी, राजकमल सिंह, सतीश चंद्र शर्मा, मनोज उपाध्याय, आदि लोग उपस्थित हुए ।बीपीएस न्यूज़ के संपादक बी.पी.साहू, मंगल सिंह, और पटकापुर के निवासी छोटे-छोटे बच्चों ने अपने कार्यक्रम और भक्ति गीत, मनोरंजन से इस उत्सव का उमंग बढ़ाया। आमोद त्रिपाठी ने स्वतंत्रता दिवस के बारे में अपने विचार प्रकट किया। इसके पश्चात बच्चों को और बड़ों को मिष्ठान द्वारा मुंह मीठा कराया गया। बच्चों को अच्छे-अच्छे खाने की चीज प्रदान की गए।

# अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी बांग्लादेश कूच करने को तैयार

## जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्रालय को भेजा ज्ञापन

## सनातन धर्म तथा हिंदुत्व की रक्षा के लिए एक एक पदाधिकारी अपने प्राणों की आहुति देने को तैयार



बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के द्वारा बैठक का आयोजन केंद्रित कार्यालय जरौली बर्रा में किया गया सैकड़ो की संख्या में पदाधिकारियो को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने कहा कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले नही रुके तो अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के हजारों पदाधिकारी जरूरत पड़ने पर बांग्लादेश कूच के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा राष्ट्रपति महोदया एवं प्रधानमंत्री गृहमंत्री मुख्यमंत्री ज्ञापित ज्ञापन भेजा जा रहा है जिसमे शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश में जमकर हिंसा चारो ओर हो रही है हिन्दू मंदिरों में आगजनी तोड़फोड़ की जा रही हैं तथा हिन्दू धर्म की महिलाओं बेटियो के साथ बलात्कार कर उनकी निर्मम तरीके से हत्याएं हो रही है। श्री भदौरिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों में भी रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी मुसलमान रहते हैं उन्हें भी देश से बाहर किया जाना चाहिए अन्यथा वे भी देश के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। उन्होंने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाए और बांग्लादेश को कड़ी चेतावनी दे। जिससे बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। तथा भारत सीमा पर आए हिंदुओं को भारत में शरण देने की मांग करते हुए कहा कि बांग्लादेश में मंदिर तोड़े जा रहे हैं हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है लेकिन मानवाधिकार की बात करने वाला कोई नहीं है। हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर पूरा विश्व चुप है। किसी भी देश ने इसका विरोध नहीं किया। जिलाध्यक्ष मनोज भदोरिया के संबोधन सुनकर पदाधिकारियो ने एक स्वर में जय मां भवानी भारत माता की जय के जोरदार नारे लगाते हुए विश्वास दिलाया कि सनातन धर्म तथा हिंदुत्व की रक्षा के लिए एक एक सदस्य अपने प्राणों की आहुति देने को तैयार हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से मनोज भदौरिया मनोजानन्द महाराज गोल्डन बाबा पंकज राजावत धीरेन्द्र भदौरिया महेन्द्र तोमर संजय तिवारी नितिन मोहन चतुर्वेदी प्रियांशु ठाकुर समेत काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

# कानपुर सुपर प्रीमियर लीग सीजन- 14 का आयोजन दो अक्तूबर से

कानपुर। सप्ताह के प्रत्येक शनिवार और रविवार को मुकाबले खेले जाएंगे। इस बार प्रतियोगिता में कुल 34 टीमें प्रतिभाग कर रहीं हैं। प्रत्येक टीम 16 लीग मैच खेलेगी। छह टीमों को चार ग्रुपों में बांटा गया है। ये जानकारी मंगलवार को विजय नगर स्थित राहुल स्वीर्ट्स में हुई प्रेसवार्ता में के एस पी एल आयोजन समिति ने दी ।उन्होंने बताया कि हर ग्रुप से दो टीमें आगे बढ़ेंगी, जिनके बीच क्वार्टर फाइनल खेला जाएगा।

फिर यहीं से सेमीफाइनल और फाइनल के लिए टीमों को चुना जाएगा। इस बार प्रतियोगिता मेंविजेता टीम को 51 हजार रुपए, उपविजेता टीम को 31 हजार रुपए और सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 15-15 हजार रुपयों का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रत्येकटीम में तीस साल दो खिलाड़ी, तीस से पैतीस के चार खिलाड़ी, पैतीस से चालीस साल के चार खिलाड़ी और चालीस साल से अधिक के दो खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी मुकाबले 30 ओवर के खेले जाएंगे।

प्रेसवार्ता में अमित जायसवाल उर्फ काका, आशीष जौहरी, मोहित अग्रवाल, गोपाल सिंह मो अहमद डॉ. दीपक श्रीवास्तव डॉ. विनीत रस्तोगी समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। के एस पी एल टूर्नामेंट के स्पॉन्सर है गोदावरी टेक, राहुल स्वीट्स, गौरव फर्नीचर, डिस्क प्वाइंट जी टी बी हॉस्पिटल वोक्सल सीबीटीसी एण्ड स्कैन् है।

# डीएवी कॉलेज एनसीसी द्वारा तिरंगा मार्च का आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। 14 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर डी.ए- वी.कॉलेज, कानपुर के एनसीसी यूनिट द्वारा एक भव्य तिरंगा मार्च का आयोजन किया गया। इस आयोजन में एनसीसी के कैडेट्स ने देशभक्ति से ओतप्रोत होकर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

तिरंगा मार्च का शुभारंभ कॉलेज के प्रांगण से हुआ, जहाँ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार दीक्षित जी ने मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मार्च में कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने तिरंगा झंडा हाथों में लेकर पूरे जोश और गर्व के साथ विभिन्न मार्गों से होते हुए नगर के परमठ और ग्रीन पार्क के हिस्सों में परेड की ।मार्च के समापन कॉलेज प्रांगण में, जिसमें कैडेट्स को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रधानाचार्य जी ने सराहना की । इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य ने कहा, 卐यह मार्च हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है और यह हमारी नई पीढ़ी को उनके बलिदान की याद दिलाने का एक सशक्त माध्यम है ।कार्यक्रम के दौरान डीएवी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार दीक्षित जी, प्रॉक्टर प्रो. रजत श्रीवास्तव जी, प्रो. सुनीत अवस्थी जी, एनसीसी इंचार्ज दिवाकर पटेल एवं आशीष वर्मा एवं अन्य शिक्षकगण, कर्मचारी, और अन्य छात्र भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# न्यू साहू फैमिली रेस्टोरेंट ने स्वतंत्रता दिवस पर गाया राष्ट्रगान

कानपुर। नौबस्ता दासु कुआं स्थित न्यू साहू फैमिली रेस्टोरेंट के प्रोपराइटर सुरेश साहू ने अपने कर्मचारियों संग मिलकर राष्ट्रीय गीत गाया। भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे भी लगाए।

# रूमा-चकेरी में बिजली संकट, फैक्ट्रियों में उत्पादन प्रभावित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रूमा-चकेरी औद्योगिक क्षेत्र में 12-12 घंटे बिजली नहीं आने से फैक्ट्रियों में उत्पादन प्रभावित हो रहा है। बिल जमा होने के बाद भी बढ़ा बिल आ रहा है। शुक्रवार को औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों ने यह समस्या केस्को अधिकारियों के साथ बैठक में बताई।

केस्को निदेशक राकेश वार्ष्णेय की अध्यक्षता में हुई बैठक में फीटा महासचिव उमंग अग्रवाल ने कहा कि भुगतान के बावजूद जमा राशि बिल में कम नहीं हो रही है और बकाया में कनेक्शन काटे जा रहे हैं। सोलर कनेक्शन में यह समस्या आम है।

अधिकारियों ने बताया कि 976 ऐसे संयोजन हैं, जिनमें यह समस्या है, इन्हें इसी माह ठीक कर दिया जाएगा। उद्यमी अभिषेक अग्रवाल व सचिन चौरसिया ने बताया कि रूमा चकेरी औद्योगिक क्षेत्र में कई दिनों से 12-12 घंटे विद्युत आपूर्ति नहीं हो रही है। इस पर अधिशासी अभियंता श्रीकांत रंगीला ने बताया कि फीडर ओवरलोड है। आरडीएसएस योजना में नए फीडर और ट्रांसफार्मर का प्रस्ताव है। रिवाइज्ड बिजनेस प्लान में चकेरी में आरएमयू भी स्थापित किया जा रहा है। इससे समस्या का निदान हो जाएगा।

उद्यमियों ने मांग रखी कि औद्योगिक फीडर से घरेलू, वाणिज्य तथा ग्रामीण आपूर्ति की लाइनें हटा दी जाएं, तभी औद्योगिक क्षेत्र को निर्बाध आपूर्ति मिल सकेगी।

बैठक में उमंग अग्रवाल ने फजलगंज औद्योगिक क्षेत्र में बीच सड़क पर बिजली के पुराने व जर्जर खंभे लगे होने से जाम व अतिक्रमण की समस्या बताई। निदेशक ने बताया कि 23.39 लाख का बजट इन खंभों को हटाने के लिए स्वीकृत हुआ है।

जल्दी ही कार्य होगा। बैठक में फाउंड्री एसोसिएशन से देव दुग्गल, चकेरी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन से दिनेश कुमार गुप्ता, टेनरी जाजमऊ से यासिर बावेजा, यूपीईमा से शिव कुमार गुप्ता व अभिषेक शर्मा ने समस्याएं रखीं।

## कोलकाता रेप मर्डर केस

# अखिलेश यादव ने किया ममता बनर्जी का बचाव, मायावती ने टीएमसी पर लगाया आरोप

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा कि ममता बनर्जी खुद एक महिला हैं और एक महिला का दर्द समझती हैं। उन्होंने मांग के अनुसार कार्रवाई की है। सरकार ने मामले की जांच सीबीआई या किसी अन्य संस्था से कराने का भी फैसला किया है।देशभर में डॉक्टर अपनी सुरक्षा और पीड़ित प्रशिक्षु डॉक्टर के लिए न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, कोलकता में जिसकी बेरहमी से हत्या और बलात्कार किया गया था। वहीं राजनीतिक दल मामले की संवेदनशीलता के बावजूद आरोप-प्रत्यारोप में लगे हुए हैं। भाजपा जहां सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर असली दोषियों को बचाने का आरोप लगा रही है, वहीं अब समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बचाव किया है।अखिलेश यादव ने कहा कि ममता बनर्जी खुद एक महिला हैं और एक महिला का दर्द समझती हैं। उन्होंने मांग के अनुसार कार्रवाई की है। सरकार ने मामले की जांच सीबीआई या किसी अन्य संस्था से कराने का भी फैसला किया है। लेकिन इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी के लोगों को राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को घटनाओं का राजनीतिक लाभ नहीं उठाना चाहिए। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई बलात्कार-हत्या की घटना के बारे में पूछे जाने पर वे कहते हैं, हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों को न्याय मिलना चाहिए। वहां प्रशिक्षु डॉक्टर



के साथ जो हुआ वह बर्बर था।आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि यह घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। डॉक्टर पूरे देश में इस घटना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। सीबीआई घटना की जांच कर रही है और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। मैं केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि डॉक्टरों को सुरक्षा प्रदान करने में देरी न करें, जो कि डॉक्टरों द्वारा उठाई गई मांगों में से एक है। मायावती ने कोलकाता में चिकित्सक के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म करने और फिर उसकी हत्या की घटना पर शनिवार को राजनीतिक दलों से ''दलगत राजनीति से ऊपर उठने'' का आग्रह किया। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''बंगाल में महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और फिर हत्या की घटना से पूरा देश चिंतित और आक्रोशित (है), फिर भी तृणमूल कांग्रेस सरकार अपने बचाव में इसे धार्मिक और राजनीतिक रंग देने में लगी है, वहीं विपक्ष भी इस मामले में कम नहीं। ऐसे में दोषियों को सख्त सजा और पीड़ित परिवार को न्याय कैसे मिले इसकी चिंता जरूरी।'' उन्होंने कहा, ''अतः इस मामले में आरोप-प्रत्यारोप आदि को त्याग कर असली दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के लिए सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आगे आना होगा।

# विरोध के बीच बंगाल सरकार ने 40 से अधिक डॉक्टरों का किया तबादला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने आज देश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच करीब 43 डॉक्टरों के तबादले का आदेश दिया है। यह विरोध प्रदर्शन आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले के कारण हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से तबादलों के संबंध में 15 अगस्त (गुरुवार) को जारी सरकारी अधिसूचना के सामने आने के बाद, चिकित्सा बिरादरी और विपक्षी दलों ने दावा किया कि एक साथ कई डॉक्टरों का तबादला राज्य सरकार के प्रतिशोधात्मक रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इन 43 डॉक्टरों को मेडिकल छात्रों और जूनियर डॉक्टरों के नेतृत्व में आंदोलन में शामिल होने के लिए दंडित किया गया है।

यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट एसोसिएशन (यूडीएफए) ने भी तबादले की कड़ी निंदा की और दावा किया कि यह मेडिकल छात्रों और जूनियर डॉक्टरों के विरोध का समर्थन करने वाले डॉक्टरों का अन्यायपूर्ण तबादला है। यूडीएफए ने कहा कि ये दंडात्मक उपाय न्याय और सुरक्षा की हमारी मांगों को दबा नहीं पाएंगे। हम अपनी लड़ाई में एकजुट और दृढ़ हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि डॉक्टर बलात्कार और हत्या की घटना में न्याय के लिए आवाज उठाने पर तृणमूल सरकार ने 43 डॉक्टरों का तबादला कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस सोशल मीडिया पर घटना के खिलाफ बोलने पर लोगों को धमका रही है।

पूनावाला ने एक्स पर लिखा, 卐पूरे देश में हर कोई आक्रोशित है और एक ही बात की मांग कर रहा है कि पीड़िता को न्याय मिलना चाहिए। हालांकि, न्याय के बजाय तृणमूल सरकार का एजेंडा बलात्कारी को बचाना है।

वे बेटी को बचाने के लिए कुछ नहीं करते। तृणमूल का मतलब तृणमूल कांग्रेस नहीं है, यह %तालिबान मुझे चाहिए है। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल सरकार एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के मामले में न्याय मांग रहे चिकित्सकों तथा मीडिया के एक वर्ग पर कार्रवाई कर रही है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नीत सरकार का एकमात्र एजेंडा ''सच को चुप करना, बलात्कारियों को बचाना और किसी भी कीमत पर सबूत नष्ट करना'' है।

# जम्मू-कश्मीर में अब नहीं बचेंगे आतंकी! बिलों से बाहर निकालने के लिए 3 जिलों में शुरू हुआ बड़ा ऑपरेशन

जम्मू-कश्मीर में छिपे हुए आतंकियों को दबोचने के लिए सुरक्षाबल अब प्रदेश के तीन अलग-अलग जिलों अनंतनाग, किश्तवाड़ और उधमपुर में बड़े स्तर तलाशी अभियान चला रहे हैं. सुरक्षाबलों को आशंका है कि इन्हीं जिलों में आतंकी अपने गुप्त ठिकानों पर छिपे हुए हैं, जहां उन्हें कुछ स्थानीय लोग भी मदद कर रहे हैं. दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग इलाके में 10 अगस्त को शुरू हुआ पहला आपरेशन लगातार तीसरे दिन भी जारी है. उस आपरेशन में भारतीय सेना के दो जवान और एक नागरिक शहीद हो गए थे.

### एलजी ने बहादुर जवानों को दी श्रद्धांजलि

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अनंतनाग में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले हवलदार दीपक कुमार यादव और लांस नायक परवीन शर्मा के रूप में पहचाने गए दो भारतीय सेना के जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की. इस दौरान उपराज्यपाल ने कहा, 'मैं हमारे बहादुरों के अदम्य साहस को सलाम करता हूं, जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया. उनकी वीरता और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा. पूरा देश इस दुख की घड़ी में शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है.'

### किश्तवाड़ में 11 अगस्त से शुरू हुआ ऑपरेशन

दूसरा आपरेशन 11 अगस्त को जम्मू क्षेत्र के किश्तवाड़ इलाके में शुरू हुआ. सुरक्षाबलों ने बताया कि किश्तवाड़ पुलिस स्टेशन के इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच थोड़ी देर के लिए गोलीबारी हुई. इसके बाद इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया, जो लगातार दूसरे दिन भी जारी है.

### बसंतगढ़ के ऊंचे इलाकों में हो रही आतंकियों की खोज

भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की ओर से उधमपुर में बसंतगढ़ के ऊंचे इलाकों में तीसरा ऑपरेशन किया जा रहा है. इसके लिए खुफिया एजेंसियों को टिप मिली थी, जिसे वेरिफाई करने के बाद यह ऑपरेशन शुरू करने का फैसला लिया गया. इस दौरान बसंतगढ़ में खुद को फंसता देख आतंकियों ने फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई.

इसके बाद आतंकी शांत हो गए और फरार होने की कोशिश की. हालांकि सेना और पुलिस के जवानों सावधानी के साथ पीछा करते हुए उनसे फिर संपर्क स्थापित कर लिया और दोनों में फिर से मुठभेड़ शुरू हो गई.

### आतंकियों को खत्म करने की कोशिश में सुरक्षाबल

जम्मू कश्मीर पुलिस के सूत्रों के मुताबिक अभी इलाके में घेराबंदी जारी है और आतंकियों को खत्म करने की कोशिश हो रही है. बताते चलें कि स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर हाई अलर्ट पर हैं. नियंत्रण रेखा और भीतरी इलाकों के करीबी क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है.एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि बहुत जल्द इन इलाक़ों को आतंक मुक्त कर दिया जाएगा.

# ये सब हमारी बर्बादी के लिए मिले हुए', भारतीय सेना पर फारूक अब्दुल्ला का शर्मनाक बयान, आतंकियों से जोड़ा नाता



अपने बड़बोलेपन की वजह से कई बार विवादों में फंस चुके जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने इस बार नया बखेड़ा कर दिया है. उन्होंने प्रदेश को आंतकियों से बचाने के लिए तैनात सुरक्षाबलों पर आरोप लगाया है कि वे आतंकियों से मिले हुए हैं. वृष्ट नेता ने आरोप लगाया है कि भारतीय सेना के जवानों और आतंकवादियों के बीच गहरी मिलीभगत है. अब्दुल्ला ने सवाल उठाया कि एलओसी पर जवानों की भारी तैनाती है. इसके बावजूद आतंकवादी घुसपैठ करने में कैसे सक्षम हैं.

### 'ये सब हमारी बर्बादी के लिए मिले हुए हैं'

नया विवाद पैदा करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा, 'आज की तारीख में हमारी सरहदों पर बड़े पैमाने पर सेना की तैनाती है, जो शायद दुनिया में सबसे बड़ी डिप्लॉयमेंट है. फिर भी आतंकी हमारे देश में घुसते हैं और मारकाट मचाकर चले जाते हैं.' भारतीय सेना पर आरोप लगाते हुए एनसी नेता ने कहा, 'ये सब (सेना और आतंकी) मिले हुए हैं. वे हमारी बर्बादी चाहते हैं, इसलिए यह खेल खेल रहे हैं.'

### अनंतनाग एनकाउंटर के बाद फारूक का शर्मनाक बयान

फारूक अब्दुल्ला का यह बयान अनंतनाग में शनिवार दोपहर हुई मुठभेड़ के बाद सामने आया है. इस मुठभेड़ में सेना के 2 जवान वीरगति को प्राप्त हुए, जबकि एक नागरिक की भी मौत हो गई. सेना के अधिकारियों के मुताबिक एक खुफिया सूचना पर सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग के अहलान इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया था. इस इलाके में 2 आतंकियों के छिपे होने की खबर थी.

### सेना के 2 जवान वीरगति को प्राप्त, 2 हुए घायल

सेना के मुताबिक तलाशी के दौरान घिर जाने पर आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके साथ ही मुठभेड़ शुरू हो गई. इस एनकाउंटर में सेना को नुकसान उठाना पड़ा और उसके 2 जवानों की मौत हो गई. इस हमले मे सेना के 2 जवान घायल भी हो गए. पाकिस्तान के आतंकी समूह जैश-ए-मोहम्मद (छद्मरू) के मुखौटे संगठन कश्मीर टाइगर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली. एक पोस्ट में कश्मीर टाइगर्स ने कहा, 'कश्मीर की आजादी तक यह जंग जारी रहेगी.'

राज्य में चुनाव कब होंगे, इस मुद्दे पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर में आज का माहौल 1996 से भी बेहतर है. अगर उस दौर में भी चुनाव हो सकते थे तो इस बार क्यों नहीं. उन्होंने कहा कि प्रदेश में चुनाव कराने से पहले जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना होगा. क्या इन चुनावों में एनसी गठबंधन करके उतरेगी, इस सवाल पर फारूक अब्दुल्ला ने इनकार कर दिया. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अकेले ही चुनाव मैदान में उतरेगी. कांग्रेस और पीडीपी को तय करना है कि वे क्या फैसला करते हैं लेकिन उनकी पार्टी कोई गठबंधन करने नहीं जा रही है.

# दुनिया में दुर्गति के बाद अब हिंदुओं को मनाने में जुटी बांग्लादेश की सरकार, दुर्गा पूजा पर छुट्टी का किया ऐलान

बांग्लादेश में बीते एक हफ्ते से जो हो रहा है. उसे पूरी दुनिया देख रही है. पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद कट्टरपंथ हावी हुआ. मंदिरों को तोड़ा गया

. हिंदुओं के घरों को जलाया गया. हिंदू महिलाओं पर अत्याचार हुए. देश के कई हिस्सों में हिंसा हुई लेकिन अब बांग्लादेश की उभरती ताकतें बैकफुट है.अंतरिम सरकार के मुखिया को आगे किया गया है. खुद को लोकतंत्र का पैरोकार बताने वाला बांग्लादेश का नया अब खून के धब्बों को साफ करने की कवायद में जुट गया है.

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा का विरोध पूरी दुनिया में हुआ. भारत के साथ साथ दुनिया के तकरीबन सभी बड़े देशों में प्रदर्शन हुए. अब अंतरिम सरकार के मुखिया मंदिर जाकर हिंदुओं को मनाने की कोशिश कर रहे हैं. सभी नागरिकों को बांग्लादेशी बता रहे हैं. किसी भी तरह के विवाद से इनकार कर रहे हैं.

अंतरिम सरकार में पीएम मोहम्मद यूनुस ने हिंदुओं को मनाते हुए कहा, हमलोग एक परिवार हैं और बांग्लादेशी हैं. हमारे बीच कोई विवाद नहीं है. देश में कोई हिंदू नहीं, कोई मुसलमान नहीं, सभी इंसान हैं और सभी को बराबरी के हक के साथ रहने का अधिकार है.

### बैकफुट पर आई बांग्लादेश सरकार केवल फैसले नहीं रही

बल्कि हिंदुओं के सांत्वना और सुरक्षा के भरोसे के लिए कई ऐलान भी कर रही है. दुर्गा पूजा पर बांग्लादेश में छुट्टी का ऐलान किया गया. हिंदुओं की अलग-अलग मांग को पूरा करने के लिए अल्पसंख्यकों का एक प्रतिनिधिमंडल सचिवालय में गृह मंत्रालय के सलाहकार से मिला.

इस दौरान अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार ने हिंदुओं की रक्षा करने में विफलता की बात कबूली. हिंदुओं से हाथ जोड़कर माफी भी मांगी. इतना ही नहीं अंतरिम सरकार की तरफ से हिंसा का शिकार हुए लोगों की लिस्ट तैयार की जा रही है, जिन्हें आर्थिक मुआवजा देने का भी वादा किया गया है.

### आखिर क्यों नरम हुआ अंतरिम सरकार का सुर ?

बांग्लादेश में सेना और सरकार ऐसे ही बैकफुट पर नहीं आई है. दरअसल पूरी दुनिया में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को लेकर विरोध हो रहा था. सीएम योगी और हिमंता बिस्वा सरमा इस पर चिंता जाहिर कर चुके थे. भारत के कई हिस्सों में बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाजें उठ रही थी. यही वजह है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अब हिंदुओं की सुरक्षा की बात कर रही है.

# मोहम्मद यूनुस ने पीएम मोदी से की फोन पर बात, हिंदुओं की सुरक्षा का दिया भरोसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने फोन किया, जिसमें उन्होंने पड़ोसी देश में मौजूदा स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर और शांतिपूर्ण बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया और बांग्लादेश में हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया। मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश के अंतरिम सरकार प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से फोन पर बात की। मौजूदा स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण और प्रगतिशील बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, संरक्षा और सुरक्षा का आश्वासन दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई थी कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में हालात जल्द ही सामान्य होंगे। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीय पड़ोसी देश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा कि भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है और वह बांग्लादेश की विकास यात्रा में उसका शुभचिंतक बना रहेगा।

बांग्लादेश में पिछले दिनों प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद से कई हिंदू मंदिरों, हिंदू समुदाय के लोगों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की खबरें हैं। नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर शेख हसीना नीत सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद देश में अव्यवस्था का माहौल हो गया। मोदी ने कहा, ''बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है उसे लेकर पड़ोसी देश के नाते हमें चिंता होना स्वाभाविक है। मैं आशा करता हूं कि वहां हालात जल्द सामान्य होंगे।'' उन्होंने कहा, ''खास तौर पर 140 करोड़ देशवासियों की चिंता यह है कि वहां के हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। भारत हमेशा चाहता है कि पड़ोसी देश शांति और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़े।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बांग्लादेश की विकास यात्रा में शुभचिंतक बना रहेगा।

# देश और धर्म की रक्षा के लिए अविस्मरणीय है सिखों की कुर्बानी

जब देश और धर्म के लिए जान देने की बारी आती है, तो सच्चा सिख कभी पीछे मुड़कर नहीं देखता। देश को आजादी दिलाने से लेकर देश की सुरक्षा करने तक सबसे ज्यादा बलिदान भी सिखों ने दिया है। सिख गुरुओं के उपदेश और उनके बलिदान को देश कभी नहीं भुला सकता। सिखों का इतिहास बलिदानों और कुर्बानियों से भरा पड़ा है। देश की आजादी के इस 77 वें पर्व के मौके पर उन पुण्य आत्माओं के बलिदान को सादर नमन है।सिख धर्म धार्मिक एकता और अखंडता का प्रतीक है। सिखों के नौंवे गुरु, गुरु तेग बहादुर सिंह का बलिदान इतिहास की पहली ऐसी घटना है, जिसमें धर्म की खातिर एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने अपने प्राणों की आहुति दी। सिखों ने धर्म और देश की रक्षा के लिए हर मोर्चे पर बहादुरी से कुर्बानी दी है।

### इतिहास के पन्नों पर स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है सिखों की वीरगाथा।

सिख समाज की यह वीरगाथा न केवल स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाती है, बल्कि उनके साहस और बलिदान की कहानी भी सुनाती है। सिखों ने देश की स्वतंत्रता के लिए कई संघर्षों का सामना किया, अनेक यातनाएँ सहन कीं, और अंततः अपने अदम्य साहस से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूती प्रदान की। उनकी वीरता और समर्पण ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया।

### देश की एकता-अखंडता को बनाए रखने में अमूल्य योगदान

इतिहास के झरोखों से देखा जाए तो पता चलता है कि सिख समाज ने न केवल देश की आजादी के लिए अपार बलिदान दिए हैं, बल्कि देश की एकता और अखंडता को भी बनाए रखने में सदा अमूल्य योगदान दिया है। इसी धरोहर को आगे बढ़ाते हुए, जीवन के हर क्षण को राष्ट्र की शान और सम्मान के लिए समर्पित करने के लिए समाज में जागरुकता फैलाने का भी काम सिख समाज की ओर से किया जा रहा है। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि हम सब मिलकर अपने देश को और अधिक गौरवशाली बना सकें।



### हर घर तिरंगा अभियान' में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा सिख समाज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सिख समाज 'हर घर तिरंगा अभियान' में बढ़- चढ़कर हिस्सा ले रहा है। इसी कड़ी में सिख समाज के ग्रंथियों और सेवादारों ने भी झंडा फहराकर-'तिरंगा ऊंचा रहे हमारा' का घोष किया। सेवादारों ने कहा भी 'हर घर तिरंगा अभियान' देश के 140 करोड़ नागरिकों का अभियान है। उन्होंने युवा तरुणाइयों से आह्वान किया है कि इस अभियान में सहभागिता के लिए सभी अपने घरों पर तिरंगा लगाकर एक सेल्फी लें और उसे अपलोड करें। इस अवसर पर सिख समाज की राष्ट्र निर्माण, बलिदान और सेवा में निभाई गई अहम भूमिका को भी याद किया। सभी से राष्ट्र प्रेम, सद्भावना और तिरंगे के सम्मान की भावना को बनाए रखने का आह्वान भी किया।

# नेताओं की आदत बन गई है जमानत के बाद रैली पर नाराज सुप्रीम कोर्ट ने कहा- वापस जेल भेज देंगे!

जमानत मिलने का यह मतलब नहीं कि समर्थकों के साथ शहर में रैली/जुलूस निकाला जाए! आखिर में परेशानी तो जनता को उठानी पड़ती है. सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख लहजे में जमानत पर छूटने वालों को चेतावनी दी है. मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह की हरकत पर जमानत खारिज की जा सकती है. दो जजों की बेंच ने हत्या के मामले में जमानत पर छूटे सोपान गाडे के मामले में यह टिप्पणी की.सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल के वाकये पर नाराजगी जताई.महाराष्ट्र के नेवासा में रहने वाले गाडे के खिलाफ हत्या समेत कई मुकदमे दर्ज हैं. मर्डर केस में उसकी जमानत याचिका ट्रायल कोर्ट और बॉम्बे हाई कोर्ट से खारिज हो चुकी थी. मगर सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी थी. जमानत मिलने के बाद, कथित रूप से इलाके के लोगों में खौफ पैदा करने के लिए गाडे ने दसियों कारें और बाइक्स की रैली निकाली.

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच बेहद नाराज थी. अदालत ने कहा, 'नेताओं की आदत बन गई है कि वे जमानत मिलने के बाद समर्थकों के साथ शहर में घूमकर रैली निकालते हैं. जब सोपान के वकील ने कहा कि रैली गाडे के समर्थकों ने निकाली थी, तब स्ष्ट ने 'आप मोटरसाइकिलों का काफिला और रैली निकालने के लिए माफी मांगिए. आप एक हलफनामा भी दाखिल कीजिए कि आप भविष्य में कभी भी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे. 'गाडे के खिलाफ 2013 में दर्ज हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था. बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी क्रिमिनल बैकग्राउंड देखकर जमानत नहीं दी. हालांकि, पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने यह मानते हुए जमानत दे दी कि वह लगभग एक दशक से जेल में बंद है. जमानत मिलने के बाद नेवासा में कार-बाइक रैली निकाली गई.मंगलवार को शिकायतकर्ता आसिफ खान ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, 'पिछले साल 16 दिसंबर को, लोगों में अपना डर पैदा करने के लिए सोपान गाडे ने अपनी चार पहिया गाड़ी के साथ 100 से 150 और चार पहिया वाहनों और 70 से 80 दोपहिया वाहनों के साथ एक रैली निकाली. इस रैली का सोशल मीडिया पर लाइव टेलीकास्ट किया गया. लोगों ने आरोपी के सम्मान में पटाखे फोड़े गए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्व0 अटल बिहारी बाजपेई की पूर्णतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

# राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में किया ध्वजारोहण

लखनऊ। यूपी के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन में ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद राज्यपाल ने राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों व सुरक्षा बलों से स्वाधीनता दिवस की बधाई का आदान-प्रदान किया।राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में देश की स्वतंत्रता और इसके महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए स्वच्छता वं नवाचार आवश्यक है। उन्होंने राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों व अध्यासितों से स्वच्छता वं नवाचार की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारी है और किसी भी कार्य को एक दूसरे पर डालने के बजाए उसे पूर्णता के साथ सम्पादित करना चाहिए।उन्होंने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश को सुनने व आत्मनिर्भर व विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का आह्वान किया।राजभवन में मुख्य सुरक्षा अधिकारी को अजय केंद्र को सम्मानित किया। त्रिपाठी पूर्व में भी राष्ट्रपति पदक, सराहनीय सेवा पदकव वं संयुक्त राष्ट्र शांति पदक से सम्मानित हो चुके हैं। राज्यपाल ने अति उत्कृष्ट, उत्कृष्ट व सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित राजभवन के आठ सुरक्षा कर्मियों को भी बैच लगाकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में उप निरीक्षक विनय कुमार राय, मुख्य आरक्षी सुनील कुमार सिंह, बनारसी लाल, राणा प्रताप सिंह, करतार सिंह को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, मुख्य आरक्षी अमित कुमार सिंह को उत्कृष्ट सेवा पदक और उप निरीक्षक अवधेश कुमार तिवारी व मुख्य आरक्षी प्रद्युम्न कुमार सिंह शामिल हैं।

# सीएम योगी ने किया ध्वजारोहण

लखनऊ। 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गयी है। सीएम योगी उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होंने लगातर आठवीं बार स्वतंत्रता दिवस के अवसर ध्वजारोहरण किया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रति उत्तर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास और समर्थन को दर्शाती है। यह सीएम योगी द्वारा 25 करोड़ प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और सुरक्षा के लिए अविराम साधनारत रहने का परिणाम है कि उन्हें यह सौभाग्य प्राप्त हुआ।उन्होंने यह उपलब्धि जनता के विश्वास और अटूट प्रेम से हासिल हासिल की।वहीं सीएम योगी की इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया साइट एक्स पर योगी आदित्यनाथ ऑफिस से पोस्ट कर जानकारी दी गई।अपने पोस्ट में योगी ऑफिस ने लिखा 卐25 करोड़ प्रदेश वासियों के सुख, समृद्धि और सुरक्षा के लिए अविराम साधनारत श्री जी महाराज उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने इस पद पर रहते हुए लगातार 8वीं बार स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर ध्वजारोहण किया है।योगी ऑफिस ने अपने पोस्ट में आगे लिखा यह ऐतिहासिक उपलब्धि महाराज जी के प्रति उत्तर प्रदेश वासियों के अटूट विश्वास और समर्थन की परिचायक है। %विकसित भारत% के निर्माण में देश के ग्रोथ इंजन के रूप में नए उत्तर प्रदेश के अतुल्य योगदान को सुनिश्चित कर रहे महाराज जी का हार्दिक अभिनंदन। जय हिंद!

**सीएम योगी की कार्यनिष्ठा का परिचायक है लगातार 8वीं बार ध्वजारोहण**

योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की थी। इसके बाद उन्होंने प्रदेश की जनता के उज्जवल भविष्य के लिए बिना रुके और थके काम शुरु कर दिया। सीएम योगी की कार्यनिष्ठा को देखते हुए प्रदेश की जनता ने वर्ष 2022 में उन्हें दोबारा समर्थन देते हुए उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री चुना। आज देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य के मुख्य के रुप में सीएम योगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्धी तक पहुंचाने में जुटे हुए हैं।

# स्वतंत्रता दिवस पर अखिलेश यादव ने फहराया तिरंगा...कई युवाओं को किया सम्मानित

लखनऊ, अमृत विचार। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कई युवाओं को सम्मानित किया और कई छात्राओं को लैपटॉप भी बांटे। इस मौके पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर अग्निवीर योजना को लेकर बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि 15 अगस्त के मौके पर सपा फिर से दोहराती है कि जब भी समाजवादी पार्टी की सरकार आएगी तब अग्निवीर व्यवस्था हमेशा हमेशा के लिए खत्म की जाएगी। अखिलेश ने आगे कहा कि कभी कभी लगता है कि अग्निवीर व्यवस्था कौन ला रहा है? वित्त विभाग या डिफेन्स का ये फैसला है? सपा मुखिया ने कहा कि अगर ये वित्त विभाग का फैसला है तो इससे बड़ी दुर्भाग्य की बात नहीं हो सकती है कि पैसे बचाने के लिए अग्निवीर जैसी व्यवस्था लाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर डिफेन्स की ओर से ये व्यवस्था लाई गई है तो सोचना चाहिए कि 15 अगस्त के दिन अख़बार में एक फ़ौज के बड़े अधिकारी शहीद हो गए हैं ये घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और 15 अगस्त के दिन ये भी सोचना चाहिए कि देश की सीमाएं कैसे सुरक्षित की जाये।

# गोमती नगर में लड़की छेड़ने के आरोपी ने की अखिलेश से मुलाकात, बोला- मुझे यादव होने की सजा दी जा रही है

लखनऊ के गोमती नगर में हाल में बारिश के दौरान पानी से भरी सड़क से गुजर रही एक महिला से छेड़छाड़ के मामले के आरोपी पवन यादव ने बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की और खुद को बेकुसूर बताया। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में पवन यादव ने आरोप लगाया कि वह मौके पर मौजूद नहीं था, वह (कहीं और) बैठकर चाय पी रहा था तभी पुलिस उसे पकड़ ले गई। उसने दावा किया कि वह घटना के वीडियो फुटेज में भी नहीं दिखाई दे रहा है। उसने आरोप लगाया कि शायद उसे यादव बिरादरी का होने की वजह से मामले में फंसाया गया। पवन यादव ने कहा, गेहूं में घुन तो पिसता ही है उसमें मैं भी आ गया। शायद इसलिए क्योंकि मैं यादव था। इस सवाल पर कि सपा अध्यक्ष ने मुलाकात के दौरान उससे क्या कहा, पवन यादव ने कहा, भैया ने कहा कि कुछ नहीं होगा।

इस बीच, अखिलेश यादव ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में पवन यादव का नाम लिए बगैर कहा, जब वे लड़के पकड़े गये तो (उत्तर प्रदेश) विधानसभा में उनका नाम लिया गया। वह लड़का (पवन यादव) यहां पर आया हुआ है। यह बेचारा चाय पी रहा था। पुलिस वालों ने इसे पकड़ लिया। जब जांच होगी तो यह छूट जाएगा। कोई बात नहीं है। लेकिन जिन अधिकारियों ने अपना रुतबा बनाने के लिये और सरकार की छवि को ठीक करने के लिये इन्हें थाने में हाथ जोड़वाकर तस्वीर छापी है, उनसे मैं भी कहूंगा कि मत भूलना, हम भी नहीं भूलेंगे। उन्होंने मानसून सत्र के दौरान विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा इस घटना को लेकर पवन यादव का नाम लिए जाने का जिक्र करते हुए कहा, नाम तो और भी पढ़े जाने चाहिये थे। और नाम उन्होंने क्यों नहीं पढ़े।हम आपको याद दिला दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गत 31 जुलाई को बारिश के दौरान अराजक तत्वों द्वारा मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर सड़क पर भरा पानी उछालने और महिला को खींचकर गिराने के मामले का जिक्र करते हुए एक अगस्त को विधानसभा में 16 आरोपियों में से पवन यादव और मोहम्मद अरबाज का नाम लिया था।मुख्यमंत्री ने तल्ख अंदाज में कहा था कि इस घटना के अपराधियों के लिये सद्भावना ट्रेन नहीं बल्कि बुलेट ट्रेन चलेगी।हम आपको यह भी याद दिला दें कि इस मामले में आदित्यनाथ के आदेश पर चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किये जाने के साथ-साथ संबंधित पुलिस उपायुक्त समेत तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पद से हटा दिया गया था।इस मामले में 16 आरोपी गिरफ्तार किये गये थे। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन ने मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) प्रबल प्रताप सिंह, सहायक पुलिस उपायुक्त अमित कुमावत और गोमतीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त अंशु जैन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से हटा दिया था, जबकि गोमतीनगर के थानाध्यक्ष दीपक कुमार पांडेय, समतामूलक चौकी के प्रभारी ऋषि विवेक, दारोगा कपिल कुमार, सिपाही धर्मवीर और सिपाही वीरेंद्र कुमार समेत चौकी के सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था।

# अर्जुन पासी हत्याकांड ने पकड़ा तूल: भीम युवा संगठन और सवर्ण आर्मी आमने-सामने

रायबरेली। नसीराबाद थाना क्षेत्र के पिछवरिया गांव में अर्जुन पासी की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर भीम युवा संगठन ने जहां छतोह के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विशाल सिंह की गिरफ्तारी के लिए धरना प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी तरफ विशाल सिंह के समर्थन में स्वर्ण आर्मी के साथ ही ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने ज्ञापन देकर भीम युवा संगठन पर फर्जी तरीके से फंसाने का आरोप लगाया। देर धरना स्थल पर एसपी ने पहुंचकर काफी समझाया।

नसीराबाद थाना क्षेत्र के पिछवरिया गांव में बीते 11 अगस्त को 21 वर्षीय युवक अर्जुन पासी को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसमें मृतक की मां की तहरीर पर विशाल सिंह सहित 7 नामजद व 5 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने 6 नामजद आरोपियों को गिरफतार कर जेल भेज दिया था। लेकिन अब सातंवे आरोपी विशाल सिंह की गिरफ्तारी को लेकर मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

शुक्रवार को भीम युवा संगठन के अध्यक्ष देवेंद्र भीमराज, पासी समाज के जिलाध्यक्ष देशराज पासी की अगुवाई में सैकड़ों लोगों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन समाचार लिखे जाने तक जारी था। जिलाध्यक्ष देशराज पासी ने कहा कि जब तक विशाल सिंह की गिरफ्तारी नहीं होती हम लोग धरने से नहीं हटेंगे। वहीं दूसरी तरफ स्वर्ण आर्मी के जिलाध्यक्ष ब्रजेंद्र सिंह की अगुवाई में विशाल सिंह के समर्थन में सीओ सिटी अमित सिंह को ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि घटना से विशाल सिंह का कोई वास्ता व सरोकार नहीं है। ना ही विशाल सिंह से मृतक व उसके परिवार से किसी तरह का विवाद हुआ है। अंकित सिंह ने कहा कि भीम आर्मी द्वारा माहौल खराब किया जा रहा है। इनके द्वारा फर्जी तरीके से विशाल सिंह को फंसाया जा रहा है। बभनपुर के भूपेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि विशाल सिंह निर्दोष है।

# कोलकाता कांड को लेकर डॉक्टरों का प्रदर्शन

## सफेद कोट की शांति करेगी क्रांति के नारों के साथ हत्यारों को फांसी दो की उठी मांग

लखनऊ। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के विरोध में उत्तर प्रदेश में डॉक्टरों का प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। राजधानी स्थित 1090 चौराहे पर रेजिडेंट डाक्टरों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की है। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों की मांग है कि उन्हें न्याय मिले और हत्यारों को फांसी दी जाए।

लोहिया संस्थान के प्रोफेसर विक्रम सिंह भी 1090 चौराहे पर पहुंचे हैं और उन्होंने बंगाल सरकार को ही कटघरे में खड़ा करते हुए इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया है। रेजिडेंट डॉक्टर लगातार नारेबाजी कर रहे हैं कह रहे हैं कि अब भी जिसका खून ना खौला खून नहीं वह पानी है।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक महिला डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के विरोध में उत्तर प्रदेश में डॉक्टरों का प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। राजधानी स्थित 1090 चौराहे पर रेजिडेंट डाक्टरों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की है। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों की मांग है कि हत्यारों को फांसी दी जाए।

लोहिया संस्थान के प्रोफेसर विक्रम सिंह, प्रो. एपी जैन समेत कई चिकित्सक रेजिडेंट डॉक्टरों के समर्थन में 1090 चौराहे पहुंचे हैं। प्रदर्शन में शामिल डॉक्टरों ने बंगाल सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया है। रेजिडेंट डॉक्टर लगातार नारेबाजी कर रहे थे और कह रहे हैं कि अब भी जिसका खून ना खौला खून नहीं वह पानी है। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर एक ही बात बार-बार दोहरा रहे थे कि उन्हें न्याय चाहिए।

वहीं शुक्रवार सुबह राजधानी स्थित केजीएमयू, लोहिया संस्थान, पीजीआई और बलरामपुर समेत कैंसर संस्थान में रेजिडेंट डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। पीजीआई में डॉक्टरों के साथ नर्सिंग ऑफिसर ने प्रदर्शन कर कोलकाता समेत उत्तराखंड में हुई घटना को लेकर विरोध जताया है। डॉक्टरों के इस विरोध प्रदर्शन ने मरीजों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, कई मरीजों को आज भी बिना इलाज वापस लौटना पड़ा है।

# सिपाही ने पत्नी की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद को भी उड़ाया, मौत

लखनऊ । पारिवारिक विवाद में कानपुर कमिश्नरेट में तैनात सिपाही ने शुक्रवार शाम कृष्णानगर मायके में मौजूद पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पत्नी की हत्या के बाद सिपाही ने खुद को भी अवैध पिस्टल से गोली मारकर जान दे दी। पुलिस का कहना है कि पारिवारिक विवाद के चलते पूरी घटना हुई है।

पीजीआई के कल्ली पश्चिम निवासी सर्वेश रावत (35) 2011 बैच का सिपाही था और मौजूदा समय में कानपुर के बिठूर थाने में तैनात था। सर्वेश की शादी कृष्णानगर के आजादनगर हसनापुर निवासी चंद्रिका प्रसाद की बेटी मीरा (30) से वर्ष 2019 में हुई थी। मीरा के भाई दिनेश ने बताया कि बहन लखनऊ जीपीओ में बाबू थीं। दोनों के 11 माह की बेटी रितिका हैं।मीरा रोज ससुराल से दफ्तर जाते वक्त बेटी को मां के पास छोड़कर ड्यूटी पर जाती थी। शुक्रवार की सुबह भी वह बेटी को मां को देकर गई। शाम को ऑटो से वापस आई और बेटी को लेकर ससुराल चली गई। शाम सात बजे मीरा बेटी और पति सर्वेश के साथ मायके पहुंची। दोनों लोग पहली मंजिल पर बने कमरे में चले गए। मीरा के भाई गणेश के मुताबिक कमरे में जाने के बाद सर्वेश और मीरा के बीच झगड़ा होने लगा। कुछ ही देर के बाद लोगों ने गोली की आवाज सुनी। लोग दौड़कर मीरा के कमरे में पहुंचे तो देखा मीरा और सर्वेश दोनों खून से लथपथ पड़े थे। सर्वेश ने पत्नी को गोली मारकर खुद को भी पिस्टल से गोली मार ली थी। गणेश की सूचना पर पहुंची कृष्णानगर पुलिस ने दोनों को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मीरा को मृत घोषित कर दिया। मीरा के सिर पर गोली लगी थी।डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल सिपाही सर्वेश को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया, जहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसको भी मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर डीसीपी साउश केशव कुमार, एसीपी कृष्णानगर विनय द्विवेदी और फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई।

# पैरोल पर जेल से बाहर आया आसाराम, दहशत में दुष्कर्म पीड़िता का परिवार, सुरक्षा बढ़ाने की मांग

बरेली। दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को इलाज के लिए राजस्थान हाईकोर्ट ने सात दिन की पैरोल दी है। आसाराम के जेल से बाहर आने के बाद शाहजहांपुर निवासी दुष्कर्म पीड़िता का परिवार डरा हुआ है।

पीड़िता के पिता ने परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।आसाराम को 2013 में अपने जोधपुर आश्रम में 16 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने का दोषी ठहराया गया था। 2018 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। जोधपुर उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पुलिस हिरासत में महाराष्ट्र के एक आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज के लिए आसाराम को सात दिनों की पैरोल दी।शाहजहांपुर निवासी पीड़िता के पिता ने अपने परिवार को खतरा बताते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने दलील दी कि जब आसाराम जेल में था, तब उसके मामले के मुख्य गवाह कृपाल सिंह (35) की 10 जुलाई 2015 को शाहजहांपुर कैंट इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और मुजफ्फरनगर में एक अन्य गवाह की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।पीड़िता के पिता ने कहा कि चार साल पहले आसाराम के अनुयायियों ने शाहजहांपुर जेल में आसाराम का बैनर लगाया था। कंबल बांटे थे और मेरे घर पर धमकी भरा पत्र भी भेजा गया था। कहा कि जब से आसाराम पैरोल पर बाहर आया है, तब से वह और उसका परिवार बहुत डरा हुआ है।

शाहजहांपुर के एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया कि पीड़िता के घर पर पहले से ही पुलिस बल तैनात है।एसपी ने कहा कि पीड़िता के पिता को कोर्ट आदि के काम से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उनकी मांग पर उन्हें एक गनर भी मुहैया कराया गया है।

एसपी ने कहा कि हमने अपने अधिकारियों को पीड़िता के परिवार की सुरक्षा की समीक्षा करने और जरूरत पड़ने पर पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही संबंधित थाने को सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

# कानपुर में अवनीश का गुर्गा प्रेस क्लब उपाध्यक्ष अरेस्ट

## मुकदमा वापस नहीं लेने पर पड़ोसी को पीटा और मुंह में डाल दिया था पिस्टल

कानपुर। नजूल की बेशकीमती करोड़ों की जमीन पर कब्जा करने के प्रयास में जेल में बंद पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष अवनीश दीक्षित के साथ उसके सहयोगियों की भी मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। 2 अगस्त को शशी सैनी ने बादशाहीनाका थाने में पूर्व प्रेसक्लब के कनिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज यादव समेत दो नामजद और चार अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास, बलवा समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार सिंह के आदेश पर मनोज यादव उर्फ वसूली बंदर के खिलाफ 25 हजार का ईनाम रख दिया था। जिसके बाद बादशाहीनाका पुलिस ने उसे तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा रिमांड के लिए भेजा जा रहा है।

कुलीबाजार निवासी शशी सैनी ने पुलिस को बताया था कि पड़ोस में रहने वाला मनोज यादव उर्फ वसूली बंदर प्रेस क्लब में कनिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर रहा है। वह उनके घर आया और दरवाजा खटखटाने लगा। आरोप है, कि उन्होंने जैसे ही दरवाजा खोला तो मनोज यादव उर्फ वसूली बंदर, उसका भाई विनोद यादव और साथी 4 अन्य लोग गालीगलौज करते हुए धक्का देते हुए घर के अंदर घुस आए। आरोप है, कि धक्का देने के कारण उनके कमर की हड्डी में चोट आ गई। पीड़िता का आरोप है, कि मनोज यादव धमकी देते हुए बोला कि पूर्व में जो उसके बेटे ने उस पर फीलखाना में मुकदमा दर्ज कराया था उसमें न्यायालय में गवाही जाकर न दे नहीं तो जाने से मार देंगे।

आरोप है, कि उसने कहा कि उसके खिलाफ कहीं कोई भी गवाही नहीं देता है। जो देता है, उसे यमलोक पहुंचा देते हैं। पीड़िता का आरोप है, कि उसके रोने बिलखने पर आरोपी भाग निकले। पीड़िता का आरोप है, कि 28 दिसंबर 2023 को रात करीब 11:45 पर उनके पति को रास्ते में मनोज यादव के कई साथियों ने पकड़ कर पुलिस के सामने खूब रोड पर जान से मारने की नियत से दौड़ा-दौड़ा कर मारापीटा और मुंह में कट्टा घुसेड़ दिया। पीड़िता के अनुसार इस दौरान बीच बचाव क्षेत्रीय लोगों ने किया। आरोप है, कि पुलिस के पास घटना के सीसीटीवी फुटेज भी हैं। पीड़िता के अनुसार उनके पति रोते-रोते घर पहुंचे और आपबीती उन लोगों को बताई। उन लोगों ने मामले में तत्काल बादशाही नाका थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया लेकिन अवनीश दीक्षित के दबाव के कारण उन लोगों को उल्टा धमका कर भगा दिया गया। जिसके बाद पीड़िता ने मामले में प्रार्थना पत्र पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार को दिया।

जिसके बाद बादशाहीनाका इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने मनोज यादव, विनोद यादव और चार अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास, बलवा, मारपीट, गालीगलौज, धमकी, घर में घुसना धारा में एफआईआर दर्ज की थी। इंस्पेक्टर के अनुसार हालसी रोड निवासी 25 हजार के इनामिया मनोज यादव की लगातार तलाश की जा रही थी। जिसके बाद उसे दिल्ली बार्डर से एक 315 बोर तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है।

### मनोज यादव का आपराधिक इतिहास

मु. 34/2024 धारा 147,452,323,504,506,307 बादशाहीनाका
मु. 87/19 धारा 392/427/452/323/504/506 बादशाहीनाका
मु. 101/07 धारा 336/427/452/504 बादशाहीनाका
मु. 4596/08 धारा 147/148/323/504/506/427 छावनी
मु. 121/20 धारा 386/500/507 सचेंडी
मु. 269/20 धारा 147/307/323/504/506 नजीराबाद
मु. 174/07 धारा 394/323/324/506 फीलखाना
मु. 63/24 धारा 147/323/504/506/385 कोतवाली

# रियल इस्टेट फर्म पर जीएसटी का छापा

## रतन हाउसिंग डेवलपर्स के कानपुर व लखनऊ समेत 10 ठिकानों पर हुई कार्रवाई

कानपुर। एसजीएसटी ने शुक्रवार शाम रियल इस्टेट कारोबार से जुड़ी बड़ी फर्म रतन हाउसिंग डेवलपर्स के ठिकानों पर छापा मारा। यह छापेमारी कानपुर, लखनऊ, नोएडा समेत प्रदेश के दस ठिकानों पर एक साथ हुई।

बताया गया कि कार्रवाई में 75 से अधिक अफसर लगाए गए हैं। देर रात तक जारी छानबीन में बड़े स्तर पर टैक्स चोरी समेत बड़ी खामियां मिली हैं। फिलहाल विभागीय अधिकारियों ने अभी कुछ भी बताने से इनकार कर दिया।

रियल इस्टेट सेक्टर में लंबे समय से कारोबार से जुड़ी रतन हाउसिंग के कानपुर ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई शहरों के अलावा दिल्ली, मुंबई तक काम फैला है। अरबों-करोड़ों के प्रोजक्ट मौजूदा समय में भी फर्म अलग-अलग शहरों में चल रहे है।

अधिकारियों के अनुसार एसजीएसटी को लगातार फर्म की ओर से जीएसटी चोरी की शिकायतें मिल रही है। सत्यता की जानकारी के लिए अधिकारियों की करीब एक दर्जन टीमों को अलग-अलग ठिकानों पर भेजा गया। कानपुर में मोतीझील स्थित कार्यालय में शाम को आधा दर्जन गाड़ियों से अफसर पहुंचे।

अफसरों ने कार्यालय में मौजूद स्टाफ को अंदर रोक लिया। बाहर से भी किसी के अंदर आने पर रोक लगा दी। इस दौरान फर्म से जुड़े बड़े अधिकारियों को जद में लिया। इसके बाद दस्तावेजों के अलावा इलेक्ट्रानिक डिवाइस को भी खंगालना शुरू कर दिया गया। देर रात सभी ठिकानों पर छापेमारी जारी रही। दस्तावेजों को तलाशने और उसमें खामियां तलाशने का काम जारी रहा।

**जद में आ सकती है अन्य फार्मे**

छापेमारी के साथ ही मुख्य फर्म से जुड़े अन्य फर्मे भी अधिकारियों की जद में आ सकती है। खासतौर पर हाउसिंग सोसाइटी को सामग्रियां बेचने वाली फर्म को भी अधिकारी 'ट्री' के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा खासतौर पर दिल्ली एनसीआर में चल रहे प्रोजेक्ट की भी बारीकी से खंगाला जा सकता है। मामले की गंभीरत के चलते छापेमारी शनिवार दोपहर तक चलने की संभावना जताई जा रही है।

# मजदूर की हत्या का प्रयास: एक आरोपी गिरफ्तार...फरार दो की तलाश जारी

कानपुर। बिधनू थानाक्षेत्र के कुशलपुर नहर पुल के पास बुधवार रात तीन युवकों ने मजदूर के मुंह पर अंगौछा बांधकर जमकर पीटा। आरोप है कि हमलावरों ने गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया।

मौका पाकर मजदूर नहर में कूद गया और दूसरी तरफ निकलकर जान बचाई। पीड़ित मजदूर ने शुक्रवार को डीसीपी साउथ से आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास की कार्रवाई करने की मांग की है।

कुशलपुर निवासी मजदूर 35 वर्षीय नरेश राजपूत ने बताया कि बुधवार रात करीब आठ बजे जामू गांव निवासी ललित सिंह सेंगर, विकास तिवारी और रितेश सिंह चंदेल ने फोनकर करके बहाने से नहर पुल के पास बुलाया। तीनों आरोपित उसे जबरन नहर किनारे झाड़ियों की ओर ले गए। जहां तीनों ने अंगौछे से उसका मुंह बांधकर जमकर पीटा। इस दौरान आरोपितों ने गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया। इस बीच सामने से आ रही लोडर की लाइट पड़ने पर तीनों झाड़ियों में छिप गए।

# पनकी पड़ाव पुल निर्माण को शासन की मंजूरी का इंतजार, दिन में कई बार क्रासिंग बंद होने से लोग परेशान

कानपुर। पनकी पड़ाव पुल का निर्माण रेलवे की स्वीकृति के बावजूद एक दशक से ज्यादा समय से शासन की हरी झंडी के इंतजार में लटका है। रेलवे दो बार रिमाइंडर भी भेज चुका है, लेकिन जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण मामला अटका पड़ा है और दिल्ली-हावड़ा रूट की क्रासिंग पर लोगों को हर समय जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली-हावड़ा रेल रूट की पनकी पड़ाव क्रासिंग रोज करीब 200 बार बंद होती है। लोगों को इस समस्या के कारण लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाने के लिए क्रासिंग पर 292.95 करोड़ रुपये लागत से मल्टी डायमेंशन फोरलेन पुल बनाने की योजना बनी थी।

इसमें पीडब्ल्यूडी का अंशदान 251.84 करोड़ और रेलवे का 41.11 करोड़ रुपये है। इस क्रासिंग पर पुल बनने से पनकी, कल्याणपुर, महावीरपुरम, रतनपुर, सुन्दर नगर, शताब्दी नगर, गंगागंज कॉलोनी समेत 30 से अधिक मोहल्लों में रहने वाले दो लाख से अधिक लोगों को राहत मिलेगी। गंगागंज से शुरू होकर क्रासिंग पार करने के बाद इस 400 मीटर लंबे पुल का एक हिस्सा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया और दूसरा ट्रांसपोर्ट नगर की ओर मुड़ जाएगा। सेतु निगम की योजना पर रेलवे ने वर्ष 2012-13 में स्वीकृति प्रदान की थी। इसके बाद सेतु निगम ने पुल निर्माण का प्रस्ताव वित्तीय वर्ष की कार्य योजना में शामिल करने के लिए शासन को भेजा था, लेकिन बजट के अभाव में स्वीकृति नहीं मिली थी। रेलवे ने पुल निर्माण की स्वीकृति के लिए जनवरी 2023 में शासनको पत्र लिखा था।

# कानपुर में हरबंश मोहाल की धसक रही जमीन, डर से सड़क पर निवासी गुजार रहे रातें

## महापौर ने मेट्रो के अधिकारियों को फटकारा

कानपुर। हरबंश मोहाल में मेट्रो टनल निर्माण के बाद एक मकान जमीन में समा चुका है। जबकि आस-पास के कई मकानों में दरारें आ गई। उनके भी गिरने का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच मेट्रो ने क्षेत्र में सर्वे पूरा कर लिया है। मेट्रो 12 मकानों को खाली कराने के साथ ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा।

इसके लिये विभाग ने डीएम से अनुमति मांगी थी। जिसपर डीएम ने नगर निगम से जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। वहीं, शुक्रवार को पीड़ितों से मिलने महापौर प्रमिला पांडेय पहुंची, इस दौरान उन्होंने मेट्रो के अधिकारियों को बुलाकर हड़काया और पीड़ितों को तीन महीने का एडवांस देने के निर्देश दिये।

साथ ही टनल की खुदाई से हुए जर्जर मकानों की जांच आईआईटी से कराने के निर्देश दिया। महापौर प्रमिला पांडेय ने शुक्रवार दोपहर में हरबंश मोहाल इलाके का दौरा किया। प्रमिला पांडेय, नगर निगम के मुख्य अभियंता सैय्यद फरीद अख्तर जैदी, मेट्रो अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचीं। महापौर ने वहां के हालात देखे तो पता चला कि टनल की खुदाई के कारण इलाके की सीवर लाइन, वाटर लाइन एवं ड्रेनेज सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। मेट्रो अधिकारियों ने महापौर को बताया कि कुल 12 मकान जर्जर है। जबकि आसपास के 45 मकानों में थोड़ी बहुत समस्या है। जिससे जल्द से जल्द ठीक करा दिया जाएगा।

मेट्रो अधिकारियों ने बताया जो बिल्डिंग गिरी है। उसी के ठीक बगल वाली बिल्डिंग भी गिराऊ है। महापौर ने कहा कि हरबंश माहोल में ज्यादातर मकानों में किरायेदार हैं। इसलिए तत्काल 3 महीने का किराया पीड़ितों को एडवांस में दें। क्योंकि, मुआवजा मिलने में समय लग सकता है।

महापौर ने कहा कि कितने मकानों में मरम्मत होना है।

कितने मकान जर्जर है उनकी लंबाई चौड़ाई के साथ सूची बनाकर दो दिन के अंदर दें। इस दौरान मेट्रो मुख्य अभियंता अजहर, प्रोजेक्ट मैनेजर ऋषि गंगवार, एजीएम सिविल ब्रजेश कुमार वर्मा, एफकॉन के डीके सिन्हा सहित नगर निगम जोन -1 के अधिकारी मौजूद रहे।क्षेत्र में जमीन का बड़ा हिस्सा दरकने से हरबंश मोहाल में एक मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। दूसरा मकान भी आधा लटक गया। अब इसे भी पूरी तरह गिराया जाएगा। जो मकान गिरा, उसमें 4 किरायेदार रहते थे। सभी आज सड़कों पर आ गए हैं और उनकी पूरी गृहस्थी बर्बाद हो गई है। आसपास के मकानों में दरारें आ गई हैं। जिनके मकानों में पहले दरारें थीं, अब वो और गहराने लगी हैं। इसको देखते हुए कई लोगों ने गृहस्थी सड़क पर रख दी है। महिलाओं से लेकर बच्चे तक सड़क पर सोने को मजबूर हैं। गृहस्थी बारिश के मौसम में खुले आसमान के नीचे रखी है। यह मकान मेट्रो ने खाली कराने के लिये किये चिह्नित

63/53 बी चंद्रभान व सुशील कुमार, 62/74 राज कुमार, 62/73 नीता राज, 63/51 प्रमाद कुमार, 63/50 सुरेश चंद्र बाजपेई, 62/93 (जी-1) खींद्र कुमार जायसवाल व मोहिनी जायसवाल, 62/92 किशन लाल गुप्ता व ओम प्रकाश गुप्ता, 62/91 अमर नाथ गुप्ता, 62/75 अंबिका प्रसाद गुप्ता, 62/75 ए नंदेश्वरी गुप्ता, 62/76 जगत नारायण गुप्ता।

# 15 अगस्त को स्कूल में नहीं मिली मिठाई, छात्रों ने टीचर की जमकर की कुटाई

स्वतंत्रता दिवस पर एक अनोखा मामला बिहार से सामने आया है.बक्सर के एक स्कूल में मिठाई को लेकर बवाल हो गया. दरअसल जलेबी नहीं मिलने से नाराज छात्रों ने शिक्षक से जलेबी को लेकर पहले सवाल पूछा और फिर विवाद इतना बढ़ा कि छात्रों ने शिक्षक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा.बिहार के बक्सर में स्वतंत्रता दिवस पर जब छात्रों को मिठाई नहीं मिली तो उन्होंने टीचरों की पिटाई लगा दी. छात्र मिठाई न मिलने से इतना नाराज थे कि उन्होंने टीचरों के घर जाने वाले रास्ते पर उनकी घेराबंदी कर दी. टीचरों को घर जाते वक्त रास्ते में दौड़ा-दौड़ा कर पीटा. छात्रों के हंगामे की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंच गई. स्कूल के प्रिंसिपल और टीचरों को थाने बुलाया गया है.घटना बक्सर जिले के मुरार के इंटर स्तरीय हाई स्कूल की है, जहां 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान स्कूल के छात्रों को जलेबी नहीं मिली तो शिक्षक की ही धुनाई कर डाली. जलेबी के लिए हुए बवाल की ये खबर पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गयी है.

# व्यापारियों व समाजसेवियों सहित शिक्षण संस्थानों ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

कानपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह शकुंतला लॉन अर्रा में धूमधाम से आयोजित किया गया इस मौके पर जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने बताया कि हम लोगों को आजादी ऐसे ही नही मिल गई। आजादी के लिए हमारे क्रांतिकारियो एवं जवानों ने मातृ भूमि के लिए अपने प्राण हंसते हंसते निछावर कर दिए। मनोज भदौरिया ने कहा कि हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। सन् 1947 में इसी दिन भारत के निवासियों ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। अर्रा स्थित फिलिग सेन्टर में कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया।इस दौरान मुख्य रूप से संजय भदौरिया सनी सेंगर सुशील परमार धीरेंद्र सिंह भदौरिया पंकज तोमर हरिओम भदौरिया आकाश भदौरिया जितेन्द्र चौहान नवरंग सिंह सेंगर कुलदीप भदौरिया रामनरेश सिंह भदौरिया ओपी त्रिवेदी जितेन्द्र चंदेल महेंद्र सिंह परिहार महेंद्र सिंह तोमर कुलदीप राजावत पंकज सिंह राजावत करणी सेना राम अवतार सिंह अभिजीत राजावत शैलेंद्र चंदेल अरविंद चौहान नितिन चतुर्वेदी प्रियांशु ठाकुर संजय तिवारी सहित काफी संख्या मे पदाधिकारी मौजूद रहे। वही हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मण्डल के द्वारा झण्डारोहण किया गया। संरक्षक राजेश भल्ला ने झंडारोहण किया अध्यक्ष सचिन दुआ भगत जी ने बताया कि यह भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है।तथा 15 अगस्त 1947 को भारत ने एक नए युग में प्रवेश किया था। यह वो दिन था जब 200 साल तक ब्रिटिश उपनिवेशवाद का दंश झेलने के बाद हमारा देश भारत आजाद हुआ था। इस 15 अगस्त को हम अपनी स्वतंत्रता की 78 वीं सालगिरह मना रहे हैं।बीजेपी के युवा नेता मृत्युंजय प्रताप सिंह ने विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया।भारत माता की पूजा के बाद सैकड़ों युवाओं ने बाइक और कारों से तिरंगा यात्रा निकाली।बीजेपी नेता के नेतृत्व में तमाम युवाओं ने वंदे मातरम एवं भारत माता की जय के जोरदार उद्घोष के साथ नौबस्ता बम्बा से तिरंगा यात्रा प्रारंभ हुई।तिरंगा यात्रा बम्बा इलाके से शुरू होकर नौबस्ता चौराहे बर्रा बाईपास कर्रही होते हुए वापस नौबस्ता बम्बा में समाप्त हुई। बीजेपी युवा नेता मृत्युंजय ने कहा हमारा उद्देश्य तिरंगा यात्रा के माध्यम से समाज मे देश प्रेम जाग्रत करना हैं।इस मौके पर पवन प्रताप सिंह मिहिर मिश्रा हरिराज सिंह पंकज मनोज जितेंद्र आदि उपस्थित रहें। मदर टेरेसा मिशन हायर सेकेण्डरी स्कूल किदवई नगर कानपुर के प्रांगण में राष्ट्रीय-दिवस एवं स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव सहर्ष मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदना से हुआ। प्रधानाचार्या डॉ वीना साइलस ने ध्वजारोहण किया सभी ने राष्ट्रगान जन गण मन गाया और देश की स्वतंत्रता अक्षुण्ण रखने की शपथ ली। तत्पश्चात् प्रधानाचार्या ने देशप्रेम एकता अखंडता शांति का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने ओजपूर्ण भाषण दिए।

इस मौके पर चेयरमैन यशराज साइलस एवं उपप्रधानाचार्या श्रीमती दीक्षा साइलस ने हार्दिक शुभकामनाएँ दीं एवं आभार व्यक्त किया। कानपुर डिफेन्स फिजिकल एकेडमी नौबस्ता में स्वतंत्रता दिवस पर झंडारोहण कर रनिग प्रतियोगिता आयोजित हुई शुभारम्भ सांसद पुत्र विकास सिंह भोले चौकी प्रभारी हंसपुरम ललित प्रताप सिंह संरक्षक कृष्ण गोपाल मिश्रा डायरेक्टर सौरभ शुक्ला ने कहा कि सम्पूर्ण भारत आज अपना 78 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। यह ऐतिहासिक घटना ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक स्थायी संघर्ष की समाप्ति का सम्मान करती है। चूंकि देश अपने स्वतंत्रता नायकों का सम्मान कर रहा है और बेहतर भविष्य की आशा कर रहा है इस वर्ष का उत्सव देशभक्ति, एकता और प्रगति के धागों से बुना हुआ एक जीवंत चित्रपट होगा। तत्पश्चात रनिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें सोलह सौ मीटर रनिंग प्रतियोगिता में पांच विनर तथा आठ सौ मीटर गर्ल्स प्रतियोगिता में पांच विनर ने ट्राफी पर कब्जा किया जिसमें हमीरपुर के आकाश गोंडा के विकास पांडे उदयपुर शुभम साहू संत कबीर नगर राममोहन यादव उन्नाव के पुत्तन सिंह तथा गर्ल्स में प्राची कुशवाहा शिक्षा यीशु रोशनी पायल अनुराग सिंह सौरभ वासु को अतिथियों ने सम्मानित किया। इस दौरान मुख्य रूप से केपी यादव एम एस चौहान भास्कर सर सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

## स्कूली छात्रों ने भी मनाया स्वतंत्रता दिवस जिसमें स्कूल के मासूम नन्हें मुन्नों ने पोशाकें पहन लोगों का मन मोह लिया।

ये पटरी का पुराना टुकड़ा कलंप से रेल ट्रेक पर बांधे जाने की आशंका है

# गहरी नींद में यात्री, ट्रेन पलटाने की साजिश

- रात ढाई बजे गहरी नींद में सो रहे थे अधिकतर यात्री, हुआ धमाका तो दिखी साक्षात मौत
- गोविंदपुरी और भीमसेन स्टेशन रेलखंड के बीच अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस 19168 हुई थी डीरेल
- हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन साजिश गहरी थी
- शुरूआती जांच पडताल में पाए गए ऐसे सुबूत जिससे ट्रेन पलटाने का गहरा रहा शक

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन से कुछ दूरी पर गोविंदपुरी-भीमसेन रेलखंड पर एक बडा रेल हादसा तो टल गया लेकिन इसके पीछे गहरी साजिश की आशंका प्रतीत हो रही है। शुरूआती जांच में कुछ ऐसे बिंदु हैं जिनसे साजिश होने का बल मिल रहा है। हालांकि, आईबी सहित अन्य एंजेसियां जांच कर रही हैं।

वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस (19168) रात करीब 2 बजकर 30 मिनट पर गोविंदपुरी स्टेशन से आगे झांसी-मुंबई रेल ट्रेक की ओर बढी। उस समय गाडी स्पीड 70 से 80 के बीच बताई गई है। कुछ किमी चलने के बाद ट्रेन तेज झटके और आवाज के साथ होल्डिंग लाइन पर पटरी से उतर गई।

ट्रेन के 16 से अधिक डिब्बे पटरी से उतरने के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना के तुरंत बाद रेलवे, पुलिस और फायर विभाग के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू कि गया। उस ट्रेन के यात्रियों को अन्य स्पेशल ट्रेने से गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी भी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। कुछ लोगों को मामूली चोटें हैं। वहीं, डीएम कानपुर आरके सिंह रात में ही घटना स्थल पर पहुंचे। मौके के हालात देखे। रेल अधिकारियों ने प्राथमिकता के आधार पर ट्रैक की मरम्मत कर ट्रेन सेवा को बहाल करने का कार्य शुरू कर दिया है।

सबसे बडा सवाल यह है कि यह हादसा था साजिश, इसके पीछे शुरूआती जांच में यह देखा गया कि एक पुराना रेल पटरी का टुकडा मौके से पाया गया जो कि काफी डैमेज था। पास में ही एक क्लंप मिली है, आशंका है कि उसी क्लंप से पटरी के टुकडे को रेल ट्रैक पर फंसाया गया। जैसे ही ट्रेन आई सबसे पहले इंजन का आगे का निचला हिस्सा छतिग्रस्त हो गया। स्पीड होने के कारण ट्रेन बेपटरी होकर दौडती रही। इसके चलते स्लीपर डैमेज हो गए और यात्री दहशत में गिर गए और कूदे। हादसे के समय अधिकतर यात्री गहरी नींद में सो रहे थे।

## 7 साल पहले पुखरायां के पास हो चुकी थी बड़ी दुर्घटना

कानपुर से 100 किमी दूर करीब 7 साल पहले 20 नंवबर 2016 को कानपुर-मुंबई रेलमार्ग स्थित पुखरायां रेलवे स्टेशन पर करीब 120 की स्पीड से दौड रही इंदौर-पटना एक्सप्रेस '19321' सुबह करीब 4 बजे बडे हादसे का शिकार हो गई थी। इसमें 150 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5 सौ से अधिक लोग बुरी तरह से घायल हुए थे। यह हादसा यादकर लोग आज भी सिहर उठते हैं लेकिन रेलवे और कई एंजेसियों ने तमाम जांच की मगर हकीकत से आजतक पर्दा नहीं उठ पाया। आज भी सवाल हादसा और साजिश पर आकर टिक जाता है। इसी तरह से ठीक साबरमती एक्सप्रेस के साथ साजिश की आशंका को बल मिल रहा है। रेल मंत्रालय को मामले को हलके में नहीं लेना चाहिए इसकी तह पर जाकर देखना चाहिए।

# जूही खलवा पुल में डूबे नगर निगम के वादे

- एक बरसात ने नगर निगम की खोल कर रख दी पोल
- करोडों खर्च के बाद भी जूही खलवा पुल का नहीं हो सका समाधान
- स्मार्ट सिटी के नाम पर अफसरो ने डकारें करोड़ों

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर । नगर निगम के खोखले दावे एक बार फिर फेल साबित हो रहे हैं। कानपुर को स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर करोड़ों खर्च के बाद भी जनता जूझ रही है। एक बरसात ने स्मार्ट सिटी के वादे की पोल खोल दी है।

मामला जूही खलवा पुल का है। जहां पर एक बरसात ने नगर निगम के सारे वादे फेल कर दिए हैं ।

कानपुर जूही खलवा पुल में पानी भरने से अगले 4 दिनों तक आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। संपवेल की मोटर खराब होने से पानी बैक फ्लो हो गया। दूसरी ओर सीवर पंपिंग स्टेशन में लगी मोटर ही डूब गई जिससे पंप हाउस चालू नहीं हो सका। इसे दुरुस्त करने चार दिन का समय लगेगा। खलवा पुल में पानी भरने से उत्तरी इलाके से दक्षिण की कनेक्टिविटी ही कट गई है। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने स्थिति का आंकलन किया। बैरिकेडिंग लगवाकर आवागमन को बंद कराया। बारिश में भरने वाले पानी को समरसेबल की मोटरों द्वारा खींच कर नाले से बाहर निकाला जाता है। पानी बैक होकर सड़क पर आ गया। पूरी सड़क पर गंदा पानी भर गया। नगर आयुक्त ने बताया कि उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) द्वारा निर्मित सीवेज पंपिंग स्टेशन का संचालन मेसर्स के आर एम पी एल द्वारा किया जा रहा है। इस पंपिंग स्टेशन में पांच पंप लगे हैं जिसमें से 190 एचपी का पंप खराब था

जिसकी मरम्मत कंपनी द्वारा कराई जानी थी। ऐसा न होने से पंपिंग स्टेशन में लगी मोटरें डूब गईं। इसी वजह से पंप हाउस चालू नहीं हो सका और जलभराव हुआ।

### क्या बोले नगर निगम चीफ इंजीनियर...

मुख्य अभियंता, नगर निगम सैय्यद फरीद अख्तर जैदी ने बताया कि जूही खलवा पुल से पानी निकलने में तीन से चार दिन लगेंगे। सीवेज पंपिंग स्टेशन की मोटरें डूबने से स्थिति हुई है।

पहले पंप से सीवेज निकाला जाएगा। पूरा पानी निकलने के बाद मोटरें ठीक कराई जाएंगी।

# बारिश के बीच ट्रैफिक कंट्रोल करती दिखी कानपुर पुलिस

## भीषण बरसात में ट्रैफिक पुलिस एसआई ने निभाया अपना फ़र्ज़, ट्रैफिक जाम से बचाया शहर

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। शहर में अचानक हुई भारी बारिश के बावजूद, ट्रैफिक पुलिस के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) प्रदीप शर्मा और अखिलेश शर्मा ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया। तेज़ बारिश के कारण कई सड़कें जलमग्न हो गईं और ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो गई, लेकिन एसआई ने अपनी टीम के साथ मिलकर सहर के सबसे व्यवस्तम चौराहे टाटमील पर स्थिति को संभाला और यातायात को नियंत्रित किया।एसआई ने बिना किसी ब्रेक के लगातार कई घंटों तक ट्रैफिक को संभालने का काम किया। उन्होंने मुख्य चौराहों और प्रमुख सड़कों पर खुद मौजूद रहकर यातायात को सुचारू रूप से चलाने का काम किया। उनकी तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा की वजह से कई लोग समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सके।

बारिश के दौरान वाहन चालकों को जहां पानी भरने और सड़कों पर फिसलन का सामना करना पड़ा, वहीं ट्रैफिक पुलिस ने सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से यातायात का संचालन किया। इसी बीच चार पहिया वाहन छोटा हाथी बीच रोड पर ख़राब होकर बन्द हो गया था जैसे ही एसआई प्रदीप शर्मा की नज़र बन्द हुए चार पहिया वाहन पर पड़ी तो बगैर देर करें उक्त वाहन को खुद धक्का लगाकर किनारे करते नज़र आए जिससे यातायात सुचारू रूप से चलता रहें एसआई की इस निष्ठा और समर्पण को शहरवासियों ने सराहा और उनकी सराहना की। इस घटनाक्रम से यह स्पष्ट हो गया कि चाहे मौसम कैसा भी हो, ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उनके इस प्रयास से शहर में बड़े पैमाने पर होने वाले ट्रैफिक जाम को टाला जा सका।

## स्कूलों में मना रक्षाबंधन का त्यौहार

बिल्हौर। बिल्हौर क्षेत्र के प्राइवेट एवं सरकारी स्कूलों में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस मौके पर छात्राओं ने स्कूल में साथी छात्रों की कलाई पर राखी बांधी और उन्हें मिठाई खिलाई। विद्यालयों में शनिवार से ही रक्षाबंधन पर्व की छुट्टी घोषित कर दी गई है। विद्यालयों की छुट्टी से पूर्व क्षेत्र के प्राइवेट तथा सरकारी स्कूलों में रक्षाबंधन का पर्व छात्र, छात्राओं के बीच मनाया गया। भाई बहन के अटूट प्रेम व राखी का त्योहार

एमएलकेडी पब्लिक स्कूल, राइजिंग किड्स स्कूल, चिल्ड्रेन मेमोरियल पब्लिक स्कूल,जीपीआरडी स्कूल समेत अन्य प्राइवेट एवं सरकारी स्कूलों में पारंपरिक ढंग से मनाया गया। इस मौके पर स्कूल की छात्राओं ने अपने सहपाठी भाईयों की कलाई पर प्रेम व रक्षा की प्रतीक राखी बांधी। उन्हें तिलक लगाकर मिठाई खिलाई।

# शहीदों की प्रतिमा स्थल के आसपास चलाया स्वच्छता अभियान

## अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया की अगुवाई में आयोजित

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा कानपुर के द्वारा दक्षिण क्षेत्र में हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहीदों एवं महापुरुषों की प्रतिमा स्थल के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने अर्रा क्षेत्र में शहीद अनमोल प्रताप सिंह की प्रतिमा की सफाई करते हुए बताया की वास्तव में भारत माता के असली सपूत यही है जिन्होंने अपनी मातृ भूमि की रक्षा के लिए हंसते हस्ते प्राण निछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि भीमराव अंबेडकर ने राष्ट्र को संविधान दिया जो देश के प्रजातंत्र को मजबूती प्रदान कर रहा है। आज भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने अंबेडकर के सिद्धांतों का अनुपालन करते हुए शोषित तथा वंचितों के अधिकारों को सर्वोपरि रखा है।

हर घर तिरंगा अभियान पर जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने कहा कि आज हर घर तिरंगा अभियान एक जन आंदोलन बन गया है, जिसमें हर कोई एकजुट होकर राष्ट्रीय ध्वज फहरा रहा है। गांवों से लेकर शहरों तक, पूरे देश में लोग तिरंगा फहरा रहे हैं और हमारे देश के लिए बहादुरी से ल ?ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं। इस अभियान ने युवाओं और बच्चों को विशेष रूप से प्रभावित किया है और उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम की यादों को संजोने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस दौरान जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने बताया कि अगर किसी भी व्यक्ति या क्षेत्रीय निवासी को तिरंगा झंडा नहीं मिल पा रहा है तो वह उनके कार्यालय या फिलिंग सेंटर से निशुल्क प्राप्त कर सकता है आज तकरीबन 2 हजार तिरंगा झंडे वितरण किए गए इस मौके पर मुख्य रूप से धीरेंद्र सिंह भदौरिया पंकज तोमर हरिओम भदौरिया विकास त्रिपाठी महेंद्र सिंह परिहार महेंद्र सिंह तोमर पंकज सिंह राजावत करणी सेना राम अवतार सिंह अभिजीत राजावत शैलेंद्र चंदेल अरविंद चौहान नितिन चतुर्वेदी प्रियांशु ठाकुर संजय तिवारी सहित काफी संख्या मे पदाधिकारी मौजूद रहे।

# चुन्नीगंज में एपीफैनी कंपाउंड की चार एकड़ जमीन नजूल की

- जांच कमेटी को मिले अहम सुराग, कई बडे नाम भी शामिल
- जमीन नजूल रजिस्टर में

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। चुन्नीगंज स्थित एपीफैनी कंपाउंड समेत अरबों की जमीन पर कब्जे की जुगत लगाने वाले भूमाफियाओं के गोलमाल की जांच प्रशासन कर रहा है। कई जमीनों पर अवैध तरीके से प्लाट काट कर लोगों को बेचे जाने की तैयारी की जा रही थी। नजूल की जमीनों की जांच करने वाली कमेटी को कई अहम सुराग लगे हैं कि किस प्रकार से इन जमीनों की खरीद फरोख्त की जाती रही। इसमें पत्रकार संगठन के कुछ कथित पदाधिकारी और कई बडे नाम भी आ सकते हैं। वहीं डीएम की ओर से गठित टीम ने चुन्नीगंज स्थित एपीफैनी कंपाउंड की जमीन की जांच पूरी कर ली है। जांच में टीम को आधी जमीन पर कब्जा और पिलर खड़े मिले हैं। एसडीएम सदर प्रखर कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज हो गए हैं। पूरी जमीन नजूल रजिस्टर में दर्ज हैं। किसी भी नजूल की जमीन को बिना डीएम की अनुमति के खरीदा और बेचा नहीं जा सकता है। अब रिपोर्ट बनाकर जिलाधिकारी को सौंप दी जाएगी।

चुन्नीगंज स्थित एपीफैनी कंपाउंड की जमीन की जांच टीम ने पूरी कर ली है। जांच में टीम को आधी जमीन पर कब्जा और पिलर खड़े मिले हैं। सात से आठ परिवार वहां पर रह रहे हैं। वहीं आधी जमीन खाली पड़ी है। टीम ने जमीन का निरीक्षण कर अब रजिस्ट्री विभाग से अभिलेख मांगे हैं। इसे सन 1861 में एक मिश्नरी संस्था को 99 साल की लीज पर दिया गया था, जिसकी लीज 64 साल पहले ही खत्म हो चुकी है। ऐसे में यहां अवैध तरीके से प्लॉट काटे जा रहे थे। एसडीएम सदर प्रखर कुमार सिंह के नेतृत्व वाली जांच कमेटी ने नजूल रजिस्टर की पड़ताल करके कई अहम तथ्य निकाले हैं। उक्त जमीन नजूल रजिस्टर में दर्ज मिली है। ऐसे में लीज पर दी गई जमीन को बेचा नहीं जा सकता है। इसके बावजूद पॉवर ऑफ अटार्नी के जरिए करोड़ों की जमीन को खरीदा और बेचा जा रहा है। नजूल की जमीन का पट्टा खत्म होते ही वह वापस सरकारी हो जाती है। ऐसे में प्रशासन के नजरिए से जमीन पर सभी दावे अवैध हैं। फिर भी दस्तावेजों पर मंथन हो रहा है। इसके बाद जमीन को सरकारी भूमि में दर्ज किया जाएगा।

# जनता और विभाग के बीच 'ब्रिज' हैं एलआईयू में संजीव दीक्षित

कानपुर। पुलिस आयुक्त अखिल कुमार के निर्देशन में वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था व जनता व प्रशासन के मध्य मधुर संबंध सामंजस स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करने वाले मेहनती कर्मठ संजीव दीक्षित के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कर्मवीर कर्मयोगी सम्मान से सम्मानित किया गया। एडीसीपी इंटेलिजेंस राजेश श्रीवास्तव व सहायक पुलिस आयुक्त प्रज्ञान परशुराम त्रिपाठी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। एलआईयू में तैनात संजीव दीक्षित के सम्मानित किए जाने पर इंस्पेक्टर एलआईयू शांति वर्मा, अंजना शुक्ला, प्रियंका, वीरेश त्रिपाठी तथा सम्मान की जानकारी मिलने पर आईजी डा राकेश सिंह,एस पी रीजन बसंत लाल, एस पी राहुल मिठास ह्य श्व जितेन्द्र श्रीवास्तव , विजय त्रिपाठी ए सी पी शिखर अमरनाथ संतोष सिंह, मा मुख्यमंत्री सुरक्षा अधिकारी रजत पाल राव महामहिम राज्यपाल सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार मंडलाधिकारी झांसी मनोज गुप्ता तथा विधायक सुरेंद्र मैथानी महेश त्रिवेदी व एमएलसी सलिल बिश्नोई अरुण पाठक, भाजपा युवा मोर्चा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष सुनील साहू, उत्तर प्रदेश स्वर्णकार समाज एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहे।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।